www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 107 || लखनऊ
शुक्रवार
17 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:23
सूर्यास्त: 07:01
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07 »

विशेष समाचार मंदिरों में भ्रष्टाचार : वहां ... » पेज 04 | बेटे ने पिता की 6 गोलियां ... » पेज 06 | 43 की हुई कटरीना...

बताया जा रहा है कि स्पेशल रेस्क्यू यूनिट (एस.आर.यू.) की टीमों ने तुरंत रेस्क्यू अभियान चलाकर प्रभावित श्रद्धालुओं को भीड़ से निकाला और उन्हें पुरी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। स्थानीय प्रशासन ने ग्रैंड रोड पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था और इमरजेंसी मेडिकल टीमें तैनात कर दी हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़ 1 की मौत

100 से ज्यादा घायल ■ तेज बारिश के बीच 10 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

पुरी। डिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे में 100 से ज्यादा लोगों को घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे। यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे, इससे भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद हैं। यात्रा मुख्य मंदिर से 3km दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाएगी। इस बीच देवी सुभद्र का रथ दर्पदलन या देवदलन आगे बढ़ गया है। इस रथ को खींचने वाली रस्सी का नाम स्वर्णचूड़ा नागिनी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ रथयात्रा में भगदड़ पाहिंडी रस्म के दौरान हुई, जब भगवान के विग्रह रथ पर लाए जा रहे थे।

पुरी में बारिश जारी, पानी निकालने 58 पंप लगातार काम कर रहे

IMD के भुवनेश्वर केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा कि तीर्थयात्री शहर पुरी में कम से कम अगले छह घंटों तक, यानी शाम तक बारिश होती रहेगी। पुरी में बारिश का पानी निकालने के लिए ओडिशा फायर सर्विस डिपार्टमेंट ने 58 शक्तिशाली पंप लगाए हैं। जिले में 60 जगहों पर पानी निकालने का काम 2 दिनों से चल रहा है। बीजेपी सांसद और उद्योगपति नवीन जिंदल ने जिंदल नगर में सावित्री जिंदल और भक्तों के साथ रथ यात्रा मनाई।

राजस्थान: उदयपुर में रथयात्रा शुरू, पहली बार 375 साल पुराना लकड़ी का रथ भी शामिल

राजस्थान के उदयपुर में सबसे बड़ी जगन्नाथ रथयात्रा निकाली जा रही है। जगदीश मंदिर से भगवान जगन्नाथ स्वामी चांदी के रथ पर माता लक्ष्मी और दानीराय जी के साथ विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले हैं। रथ का कुल वजन 95 किलो है। इस यात्रा में जगदीश मंदिर की स्थापना के बाद इतिहास में पहली बार 375 साल पुराने लकड़ी के रथ को भी शामिल किया गया है। पुरी में रथयात्रा शुरू हो गई है।

पहले भी 2 बार भगदड़ हुई, 2025 में 3 मौत हुई थी

■ **18 जुलाई 2015:** नवकलेवर वर्ष होने के कारण जगन्नाथ रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु पहुंचे थे। भगवान बलभद्र का रथ खींचे जाने के दौरान ग्रैंड रोड के मारिचिकोट चौक के पास अचानक भीड़ बढ़ गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दम घुटने से 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हुए।

■ **29 जून 2025:** जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के बाहर सरधाबली इलाके में तड़के हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए जुटे थे। इसी दौरान भीड़ एक साथ आगे बढ़ने लगी। लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई। हादसे में 3 श्रद्धालुओं की मौत हुई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए। घटना के बाद राज्य सरकार ने न्यायिक जांच के आदेश दिए और लापरवाही के आरोप में कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट बोला- हर जान कीमती

केंद्र-दिल्ली सरकार रोजाना मेडिकल जांच कराए, केजरीवाल जंतर-मंतर पहुंचे

चिंता

तमसा संकेत, एजेंसी

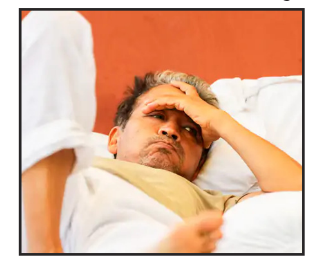

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान कीमती है। उसकी रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को उनकी रोजाना मेडिकल जांच कराने और जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। याचिका में जबरन खाना देने के निर्देश देने की मांग भी की गई थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर उचित इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

ई-20 पेट्रोल डालने से इंजन खराब

कंज्यूमर कोर्ट बोला- मारुति सुजुकी नई कार दे या 20 लाख लौटाए

बढ़ावा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायपुर। देशभर में पेट्रोल में E20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी बीच रायपुर में E20 पेट्रोल से कार के इंजन के खराब होने का मामला सामने आया है। इससे जुड़े मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि नई कार दी जाए या 20 लाख लौटाए जाएं। कोर्ट ने माना कि गाड़ी का इंजन ई-20 फ्यूल के हिसाब से नहीं था, फिर भी कार कस्टमर को बेची गई। कोर्ट ने कहा कि 45 दिनों के अंदर ग्राहक को उसी मॉडल की नई कार दी जाए, जो ई-20 फ्यूल के अनुकूल हो। अगर ऐसा नहीं किया तो कंपनी को वाहन की पूरी कीमत करीब 20.5 लाख रुपए और अन्य खर्च भी लौटाने होंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

जांच समिति ने माना- मंत्री प्रतिमा बागरी की जाति अनुसूचित

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी को जाति प्रमाणपत्र विवाद में बड़ी राहत मिली है। राज्यस्तरीय जाति प्रमाणपत्र छानबीन समिति ने जांच के बाद उनके अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र को वैध माना है। समिति ने कहा कि राज्यमंत्री बागरी के परिवार के राजपूत होने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

सरकार ने 20 लाख में खरीदे 10-लाख कीड़ों के सिर

(डिंडौरी)। मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले में वन विभाग जंगलों को बचाने कीड़ों का सिर कटवा रहा। साल बोरर कीड़े का सिर 2 रुपए में खरीद रहा है। मकसद कीड़ों को खत्म कर साल (सरई) के जंगलों को बचाना है। अब तक करीब 10 लाख कीड़ों के सिर काटे जा चुके हैं। बदले में ग्रामीणों को 20 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। दरअसल, साल बोरर कीट ने जिले के जंगलों को प्रभावित कर दिया है। हालात इतने गंभीर हैं कि भारत सरकार से अनुमति मिलने के बाद 1 लाख 46 हजार 784 प्रभावित पेड़ों की कटाई की जाएगी।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव का बेटा गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव एस. रामास्वामी के 35 वर्षीय बेटे आर. यशोवर्धन को देहरादून पुलिस ने फर्जी IPSअधिकारी बनकर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को कभी IPS, कभी RAW, CBI, CRPF, NIA और सेना का वरिष्ठ अधिकारी बताकर लोगों को झांसे में लेता था।

कांग्रेस का पीएम को लेटर, कहा- सर्वदलीय बैठक बुलाएं

मानसून सत्र में चढ़ावा चोरी का मामला उठाएगी, संशोधन बिल का विरोध करेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का मुद्दा उठाएगी। इसके अलावा, सरकार के संशोधन बिलों का विरोध करेगी। यह फैसला गुरुवार को कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक में लिया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने 131वें संविधान संशोधन विधेयक यानी परिसीमन से जुड़े बिल को लेकर पीएम मोदी को पत्र लिखा। इसमें सरकार के संशोधित प्रस्तावों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। बैठक सोनिया गांधी के आवास पर हुई। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे, शशि थरूर और जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जयराम रमेश ने कहा, 'संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी।'

■ बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे, शशि थरूर और जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए।

कांग्रेस एफसीआरए का भी विरोध करेगी- रमेश

यदि सरकार 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक' मानसून सत्र में लाती है तो कांग्रेस इसका पूरी तरह विरोध करेगी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआ-रए) संशोधन विधेयक दोबारा लाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी इस विधेयक का विरोध किया था, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा था। अगर इसे फिर पेश किया गया तो पार्टी दोबारा इसका विरोध करेगी।

गगनयान मिशन के बीच सरकार हुई सख्त, बदल दिए नियम

100 से अधिक वैज्ञानिकों के इस्तीफों से हिला इसरो

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) के गगनयान और दूसरे अहम मिशनों से जुड़े वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) पर अब पहले की तरह आसानी से मंजूरी नहीं मिलेगी। अंतरिक्ष विभाग (DoS) ने 14 जुलाई को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ग्रुप ए वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे या VRS के आवेदन नियमित प्रक्रिया के तहत स्वीकार नहीं किए जाएं।

इस्तीफे पर अंतिम फैसला अंतरिक्ष विभाग करेगा

आदेश में कहा गया है कि इस्तीफों और VRS के मामलों में तेजी आने से गगनयान और दूसरे राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट्स पर असर पड़ रहा है। इसलिए नौकरी छोड़ने के आवेदनों पर अब अंतिम फैसला अंतरिक्ष विभाग करेगा। यह निर्देश URSC, VSSC, सतीश धवन स्पेस सेंटर (SDSC), लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (LPSC), स्पेस एप्लिकेशंस सेंटर (SAC), नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (NRSC), ISTRAC और मास्टर कंट्रोल फैसिलिटी (MCF) समेत कई केंद्रों को भेजा गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये निर्देश ऐसे समय आए हैं, जब पिछने 10 महीनों के दौरान 100 से ज्यादा कर्मचारी ISRO छोड़ चुके हैं। सबसे ज्यादा इस्तीफे बेंगलुरु के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर (URSC) और तिरुवनंतपुरम के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC) से हुए हैं। इस्तीफा देने वालों में वरिष्ठ वैज्ञानिक विक्टर जोसेफ टी भी शामिल हैं। वे VSSC में जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल Mk III प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। बताया गया है कि उन्होंने फरवरी में इस्तीफा दिया।

लपाता : ज्यादातर रोहिंग्या सवार थे, खराब मौसम की वजह से हादसा

बंगाल की खाड़ी में दो नावें डूबीं, 500 मौतों की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

रखाइन। म्यांमार में हिंसा से बचकर भाग रहे 500 से ज्यादा लोगों के समुद्र में लापता होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों के मुताबिक, म्यांमार के तट के पास खराब मौसम में दो नावें गायब हो गईं। इनमें सवार ज्यादातर लोग रोहिंग्या समुदाय के थे। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) और संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (UNHCR) ने संयुक्त बयान में बताया कि दोनों नावें जून के आखिर में म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य से रवाना हुई थीं। पहली नाव में करीब 250 लोग सवार थे। रवाना होने के कुछ ही समय बाद उससे संपर्क टूट गया। दूसरी नाव में करीब 280 यात्री सवार थे और माना जा रहा है कि वह 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी तट के पास डूब गई। करीब 12 लाख रोहिंग्या फिलहाल बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

> रोहिंग्या समुदाय का कहना है कि वे रखाइन क्षेत्र में आठवीं सदी या उससे भी पहले से रह रहे हैं और वे वहीं के मूल निवासी हैं। साल 1982 में रोहिंग्याओं को नागरिकता देने से इनकार कर दिया गया। इसके कारण वे बिना किसी देश के नागरिक बन गए। उन्हें बुनियादी अधिकार जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और शादी करने तक की आजादी नहीं है।

रोहिंग्या लोगों के पास किसी देश की नागरिकता नहीं

रोहिंग्या म्यांमार के रखाइन राज्य का एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय है। दशकों से यह समुदाय सरकारी उत्पीड़न, हिंसा और भेदभाव का सामना कर रहा है। म्यांमार की बौद्ध बहुसंख्यक सरकार और वहां के स्थानीय लोग रोहिंग्याओं को म्यांमार का मूल निवासी नहीं मानते।

उनका दावा है।

कि ये लोग ब्रिटिश शासनकाल के दौरान बांग्लादेश (तत्कालीन बंगाल) से आए अवैध अप्रवासी हैं। उन्हें आधिकारिक तौर पर 'बंगाली' कहकर पुकारा जाता है।

दुनिया के सबसे खतरनाक समुद्री रास्तों में एक

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2025 में अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी में करीब 900 रोहिंग्या शरणार्थी मारे गए या लापता हो गए थे। यह दुनिया में शरणार्थियों और प्रवासियों के लिए सबसे खतरनाक समुद्री मार्ग माना जाता है।

9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें : सुप्रीम कोर्ट

बोर्ड परीक्षा के एक साल पहले बच्चों में तनाव बढ़ेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि CBSE को 9वीं से थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू नहीं करनी चाहिए। 9वीं कक्षा की पढ़ाई पहले से मुश्किल है, ऐसे में तीसरी भाषा को शामिल करने की क्या जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि इससे स्टूडेंट्स का मानसिक तनाव बढ़ सकता है। भारत सरकार से कहिए कि ऐसा न करें। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि तीसरी भाषा को क्लास 5 या 6 में ही शुरू कर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्र इसके साथ अधिक प्रभावी ढंग से तालमेल बिठा सकें। दरअसल, बेंच तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV) बनाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। तमिलनाडु सरकार JNV में लागू थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के पक्ष में नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि तीसरी भाषा को पढ़ाना 6वीं क्लास में शुरू करना चाहिए और 9वीं में इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं का दबाव कक्षा 8 से ही शुरू हो जाता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मण्डी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, आधुनिक एवं किसान हितैषी बनाया जाए : मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

उद्यान मंत्री ने की मण्डी परिषद मुख्यालय में समीक्षा बैठक

निर्देश

- किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता
- उद्यान मंत्री ने मण्डी परिषद मुख्यालय में की समीक्षा बैठक, कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कराने के दिए निर्देश

सितंबर तक एग्रीमॉल का उद्घाटन सुनिश्चित करने और 'मंडी हाट पैड' के शीघ्र विकास के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद मुख्यालय में मण्डी परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन करते हुए उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश की मण्डियों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए उन्हें किसानों, व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुविधाजनक बनाया जाए। उन्होंने मण्डियों में स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, सड़क, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए मण्डियों में पारदर्शी व्यवस्था, डिजिटल सेवाओं का विस्तार तथा ई-नाम सहित अन्य तकनीकी सुविधाओं का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा

सिंह ने निर्देश दिए कि मण्डी परिषद द्वारा संचालित विकास कार्यों एवं निर्माण परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं सतत मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए।

उद्यान मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सभी अधिकारियों को परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनानी होगी। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, राजस्व संग्रह, मण्डियों के आधुनिकीकरण, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

शिव भक्तों ने मुंह से निकालीं 7 फीट ऊंची लपटें

5 भव्य जगन्नाथ यात्रा, 25 फीट ऊंचे रथ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को लेकर भक्तों का खास उत्साह देखा जा रहा है। जय जगन्नाथ और हरे कृष्णा के जयघोष से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथ को खींचने की होड़ मची है।

लखनऊ में इस बार 5 बड़ी भव्य रथयात्राएं निकाली जा रही हैं, जिनमें चारबाग, डालीगंज, राजाजीपुरम, अलीगंज और चौक की रथयात्राएं प्रमुख हैं। 25-25 फीट ऊंचे रथ लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। सज-धजकर ऊंटों का काफिला आगे-आगे चल रहा है। हाथी-घोड़े यात्रा की शोभा बढ़ा रहे हैं।

भोले के भक्त हैरतअंगेज करतब दिखा रहे हैं। मुंह से करीब 7 फीट ऊंची लपटें निकाल रहे हैं। भजन-कीर्तन हो रहा है। प्रसाद बांटा जा रहा है। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए हैं।

मेडिकल कॉलेज की छात्रा गौरी मिश्रा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ यात्रा में शामिल हुए हैं। मौसम भी बहुत अच्छा हो गया है।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल अधिकांश ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है।

भगवान जगन्नाथ यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हो रही हैं। रथ खींचकर खुद को भाग्यशाली मान रही हैं।

रथ को खींचते हुए श्रद्धालु महामंत्र- हरे कृष्णा, हरे रामा और जय जगन्नाथ का जाप कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों को नाम-पता लिखना अनिवार्य

बाराबंकी। बाराबंकी जिला प्रशासन ने आगामी कांवड़ यात्रा और शिवभक्तों की सुरक्षा के मद्देनजर सतर्कता बढ़ा दी है। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापरक खान-पान उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने गुरुवार शाम 5 बजे से एक विशेष महाअभियान शुरू किया है।

युवक के शरीर में आरपार हुआ 4 सरिया

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टरों ने बेहद जटिल और दुर्लभ सर्जरी कर 23 वर्षीय युवक को नया जीवन दिया है। हादसे में फेफड़ा, डायफ्राम, आमाशय, छोटी आंत, प्लीहा और मूत्राशय समेत कई महत्वपूर्ण अंगों में जख्म हो गया था। गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर पहुंचने पर डॉक्टरों ने तत्काल इलाज शुरू किया और साढ़े 8 घंटे चली सर्जरी के बाद उसकी जान बचा ली। जानकारी के मुताबिक, फर्रुखाबाद के अमृतपुर निवासी उमेश 13 जुलाई को लखनऊ के बादशाह नगर स्थित एक निर्माणाधीन इमारत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान वह ऊंचाई से गिरकर लोहे की सरियों पर जा गिरे।

नर्सरी छात्र को मॉनिटर ने 12 मिनट तक थप्पड़ मारे

मोहनलालगंज। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन योजना में स्थित एएलएस एकेडमी में नर्सरी के एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना बीते बुधवार की हैं। आरोप है कि कक्षा की मॉनिटर छात्रा ने पांच वर्षीय बच्चे की करीब 12 मिनट तक पिटाई की, जिससे उसके चेहरे और गाल पर चोटें आईं। बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर उसे पीजीआई ट्रॉमा सेंटर में इलाज कराया गया हैं।

एलयू छात्र आंदोलन में शामिल हुए कांग्रेस प्रदेश प्रभारी राजेंद्र

- हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया, छात्रों और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों में नोकझोंक

छात्रों का आरोप है कि राजेंद्र पाल गौतम के जाने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन, प्रॉक्टोरियल बोर्ड, सुरक्षा कर्मियों और पुलिस की मौजूदगी में हस्ताक्षर अभियान को रोकने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि अभियान के पोस्टर हटाने और फाड़ने का प्रयास किया गया और छात्रों को वहां से हटाने की कोशिश की गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि और छात्र निष्कासन की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को 45वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम धरनास्थल पहुंचे और आंदोलनरत छात्रों का समर्थन किया। उन्होंने छात्रों के हस्ताक्षर अभियान में शामिल होकर हस्ताक्षर किए और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई बताया।

धरने को संबोधित करते हुए राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि विश्वविद्यालय में फीस बढ़ाकर आम और गरीब परिवारों के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा मुश्किल बनाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सवाल उठाने वाले छात्रों पर निष्कासन जैसी कार्रवाई कर डर का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों की इस लड़ाई में उनके साथ खड़ी है और इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।

छात्र बोले- धरना रहेगा जारी

आंदोलनरत छात्रों ने कहा कि वे किसी भी दबाव के आगे झुकने वाले नहीं हैं। उनका कहना है कि फीस वृद्धि वापस लेने, निष्कासित छात्रों की बहाली होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

अनित रावत बने आप छात्रविंग के नए प्रदेश अध्यक्ष, कुलदीप यादव को मिली प्रदेश महासचिव की कमान

आप उत्तर प्रदेश छात्र विंग की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

- छात्र हितों की रक्षा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना ही मेरी प्राथमिकताः अनित रावत (प्रदेश अध्यक्ष, छात्रविंग)
- उत्तर प्रदेश में युवाओं के हक की लड़ाई तेज करेगी 'आप', नई नियुक्तियों के साथ छात्र राजनीति में बड़े बदलाव की तैयारी

> यह नई टीम उत्तर प्रदेश में छात्र राजनीति के मुद्दों, जैसे पेपर लीक और बेरोजगारी पर सरकार को घेरने और संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने का काम करेगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के संगठन विस्तार की कड़ी में प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह की स्वीकृति से छात्र विंग (ASAP) के प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने उत्तर प्रदेश के लिए नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। लखनऊ के अनित रावत को छात्र विंग का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि कुलदीप यादव को प्रदेश महासचिव और आशीष मौर्य को प्रदेश संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही अंशुल यादव और यशवीर सिंह सेंगर को वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। छात्र विंग के प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने आगामी कार्ययोजना स्पष्ट करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले 'पेपर लीक' और 'रोजगार' से जुड़े मसलों को नई कार्यकारिणी पूरी मजबूती के साथ उठाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश और सभी जनपदों में छात्र विंग आक्रामक तरीके से युवाओं की समस्याओं के लिए संघर्ष करेगी। वंशराज दुबे ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही पूरे प्रदेश के अंदर जिला कार्यकारिणी का नए सिरे से गठन किया जाएगा, ताकि संगठन की पहुंच हर कॉलेज और विश्वविद्यालय तक सुनिश्चित की जा सके।

संगठन विस्तार के तहत नई कार्यकारिणी की घोषणा और महत्वपूर्ण नियुक्तियां

आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की छात्र विंग (ASAP) को मजबूती देने के लिए नई नियुक्तियों का एलान किया गया है। प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे द्वारा जारी सूची के अनुसार, लखनऊ के अनित रावत को प्रदेश अध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी दी गई है। सुल्तानपुर के कुलदीप यादव को प्रदेश महासचिव, आजमगढ़ के आशीष मौर्य को प्रदेश संगठन मंत्री, लखनऊ के अंशुल यादव को वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष और जालौन के यशवीर सिंह सेंगर को भी वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पार्टी नेतृत्व ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

दूसरे दिन 14 जुलाई को रिकॉर्ड 8,912 युवाओं को मिला रोजगार, प्रयागराज में सबसे ज्यादा 728 चयन

75 जिलों के 10,283 युवाओं को मिला रोजगार

- मिशन की ओर से प्रदेश भर में 13 से 15 जुलाई तक आयोजित हुआ 3 दिवसीय रोजगार मेला, 830 कंपनियों ने की शिरकत
- योगी सरकार में बदली युवाओं की तस्वीर, हुनर से मिल रहा रोजगार और सम्मान - मंत्री कपिल देव

विश्व युवा कौशल दिवस पर योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को हुनरमंद और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) के अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM), DDU-GKY और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI) के संयुक्त तत्वावधान में 13 से 15 जुलाई तक तीन दिवसीय राज्यव्यापी रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। इस महा-अभियान में प्रदेश के सभी 75 जिलों के युवाओं को शामिल किया गया। देश-विदेश की कुल 830 प्रतिष्ठित कंपनियों ने हिस्सेदारी की, जिसके माध्यम से कुल 10,283 योग्य अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों के लिए अंतिम चयन किया गया। इस उपलब्धि पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है। आज प्रदेश का युवा हुनर से रोजगार और स्वरोजगार पा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्किल इंडिया' और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के विजन के तहत 'सबको हुनर, सबको काम' के संकल्प को नई गति दी गई है।

तीन चरणों में चला रोजगार का महा-अभियान

पहला चरण (13 जुलाई) : अभियान के पहले दिन प्रदेश के 9 जिलों - सम्भल, गोंडा, सुल्तानपुर, मऊ, फर्रुखाबाद, औरैया, उन्नाव, चंदौली और देवरिया में रोजगार मेले आयोजित हुए। इसमें 107 प्रमुख कंपनियों ने हिस्सा लिया और कुल 1,071 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। पहले दिन देवरिया में जबरदस्त उत्साह देखा गया, जहाँ रिकॉर्ड 303 अभ्यर्थियों का चयन हुआ।

दूसरा चरण (14 जुलाई) : 14 जुलाई को व्यापक स्तर पर अभियान चला। प्रदेश के 63 जिलों में एक साथ मेले आयोजित हुए। इस एक दिन में 689 बड़ी कंपनियों ने शिरकत की और रिकॉर्ड 8,912 अभ्यर्थियों को नौकरी मिली। इस चरण में प्रयागराज पूरे प्रदेश में शीर्ष पर रहा, जहाँ अकेले 22 कंपनियों ने 1,185 युवाओं का चयन किया। इसके साथ ही वाराणसी में 674 और गोरखपुर में 317 युवाओं को रोजगार मिला।

तीसरा चरण (15 जुलाई) : विश्व युवा कौशल दिवस पर 15 जुलाई को अमेठी, पीलीभीत और इटावा समेत 3 जिलों में रोजगार मेला आयोजित हुआ। अंतिम दिन 34 कंपनियों की भागीदारी से कुल 300 युवाओं का चयन हुआ, जिसमें पीलीभीत के 138 युवा शामिल रहे।

ऊर्जा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने रचा विकास का नया अध्याय

आधुनिक ऊर्जा तंत्र बना नए उत्तर प्रदेश की पहचान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने पिछले नौ वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल करते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण, वितरण और उपभोक्ता सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किए हैं। प्रदेश सरकार के प्रयासों से आज बिजली व्यवस्था अधिक मजबूत, पारदर्शी और तकनीक आधारित बन चुकी है।

ऊर्जा विभाग द्वारा जारी उपलब्धियों के अनुसार प्रदेश में 60,858 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइन का निर्माण किया गया है तथा 765 नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 2,05,632 एमवीए है। वर्तमान में प्रदेश में बिजली की 99.30 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

पिछले नौ वर्षों में 765 केवी के 7, 400 केवी के 45, 220 केवी के 173 तथा 132 केवी के 490 उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 2 लाख ट्रांसमिशन टावर, 2,100 ट्रांसफॉर्मर, 3.2 प्रतिशत तक पारेषण हानियों में कमी तथा 31,486 मेगावाट पीक डिमांड की सफल पूर्ति ऊर्जा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धियाँ हैं। प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत सभी चिन्हित घरों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा किया है। वहीं आरडीएसएस योजना के अंतर्गत 2,51,487 घरों का विद्युतीकरण किया गया। प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 60 नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र, 1,109 विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि तथा वर्ष 2024-25 में 28 नए 33/11 केवी उपकेंद्रों का निर्माण और 576 उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि का कार्य भी पूरा किया गया। कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 तक 2.42 लाख निजी नलकूपों का ऊर्जीकरण किया गया।

आरोप : 2027 में जनता देगी जवाबः अखिलेश यादव, किसान की आत्महत्या का किया जिक्र

'भाजपा सरकार में किसान बदहाल'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश और देश का किसान आज गंभीर संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार की नीतियां किसान विरोधी हैं और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा केवल दावा बनकर रह गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, जबकि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान समय पर खाद, बीज और कीटनाशक नहीं मिलने से परेशान हैं तथा सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने आगरा के फतेहाबाद में कर्ज से परेशान किसान पद्म सिंह द्वारा आत्महत्या किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह घटना किसानों की बदहाल स्थिति को दर्शाती है। उनका आरोप था कि सरकार ने किसानों के हित में किए गए वादों को पूरा नहीं किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से किसानों और आम जनता का भरोसा उठ चुका है। उन्होंने दावा किया कि किसानों में सरकार के प्रति व्यापक नाराजगी है और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता किसान विरोधी नीतियों का जवाब देगी।

आगरा के फतेहाबाद में कर्ज से परेशान किसान की आत्महत्या का किया जिक्र खाद, बीज, एमएसपी और बढ़ती लागत को लेकर सरकार पर साधा निशाना

सरकार की विफलता को छिपाने का प्रयास

सपा अध्यक्ष ने कहा कि खाद की कमी को वैश्विक संकट से जोड़ना सरकार की विफलता को छिपाने का प्रयास है। उनके अनुसार बुवाई से पहले पर्याप्त खाद का भंडारण करना सरकार की जिम्मेदारी होती है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और दूरदर्शिता के अभाव का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कीटनाशक और बीजों में मिलावट हो रही है तथा सरकार किसानों की बजाय बिचौलियों और बड़ी कंपनियों के हितों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमए-सपी) की अनिवार्यता नहीं होने से किसान अपनी उपज औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं।

गोरखपुर में ऑनलाइन गेमिंग में हारकर सुसाइड किया

गोरखपुर । बुधवार को नगर निगम के एक संविदाकर्मी ने ऑनलाइन गेमिंग में लाखों रुपये गंवाने और भारी कर्ज में डूबने के बाद आत्महत्या कर ली थी। अब पुलिस जांच में उसके मोबाइल से एक सुसाइड मैसेज मिला है, जिसमें उसने लिखा था कि बहुत कर्जदार हो गया हूं, मैं मरने जा रहा हूं।

पुलिस जांच में सामने आया कि युवक ऑनलाइन कैसीनो और लॉटरी गेम खेलने का आदी था। घटना वाले दिन भी वह करीब 40 हजार रुपए हार गया था, जिसके बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। मोबाइल, डिजिटल साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आत्महत्या की पुष्टि की है। जांच में ऑनलाइन गेमिंग की लत और बढ़ता कर्ज ही घटना की मुख्य वजह सामने आई है। मामला कैंट थाना क्षेत्र का है।

यूपीपीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कराया शिकायतों का समाधान

आमजन की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें सुनिश्चितः ए के शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान विद्युत बिल संशोधन, नए विद्युत कनेक्शन, ट्रांसफार्मर स्थापना, पेयजल, सीवर, सफाई, अतिक्रमण सहित अन्य जनसमस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। मंत्री शर्मा ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक शिकायत का निस्तारण संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ किया जाए। जनसुनवाई को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंत्री श्री शर्मा ने आज विशेष रूप से ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश पर यूपीपीसीएल के निदेशक (वाणिज्य) श्री ध्यान मथाई तथा निदेशक (तकनीकी) श्री जी. डी. द्विवेदी जनसुनवाई में उपस्थित रहे। मंत्री श्री शर्मा ने दोनों अधिकारियों को विद्युत संबंधी शिकायतों का मौके पर परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आमजन को पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई शासन और जनता के बीच विश्वास का सशक्त माध्यम है तथा प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

फर्जी रिश्तेदार बनकर ठगे 10 हजार

कौशांबी में साइबर टीम ने पीड़ित को दिलाई रकम

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। जिले की साइबर पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित युवक के खाते में ठगी गई पूरी 10 हजार रुपये की राशि वापस कराकर राहत दिलाई है। जनपदीय साइबर सेल और साइबर क्राइम थाना की संयुक्त टीम ने एमआरएम (Money Restoration Module) पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की। पुलिस की इस पहल की जिले में सराहना हो रही है। साइबर टीम ने एमआरएम (Money Restoration Module) पोर्टल का उपयोग करते हुए आवश्यक कानूनी और तकनीकी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद 16 जुलाई 2026 को ठगी गई 10,000 रुपये की पूरी राशि

सफलतापूर्वक पीड़ित के बैंक खाते में वापस जमा करा दी गई। धनराशि वापस मिलने के बाद अनिकेत सिंह ने कौशांबी पुलिस, साइबर सेल और साइबर क्राइम थाना की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से उन्हें आर्थिक नुकसान से राहत मिली। कौशांबी साइबर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर या सोशल मीडिया, फोन कॉल अथवा मैसेज के माध्यम से मिले भावनात्मक अनुरोधों पर बिना सत्यापन के पैसे ट्रांसफर न करें। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन ठगी का शिकार होता है तो वह बिना देर किए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते कार्रवाई कर धनराशि वापस कराई जा सके।

एसपी के निर्देश पर शुरू हुई जांच

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत के निर्देश पर जनपदीय साइबर सेल और साइबर क्राइम थाना की टीम सक्रिय हुई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बैंकिंग ट्रांजैक्शन, यूपीआई रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच की। जांच के दौरान संबंधित खातों की जानकारी जुटाई गई और धनराशि को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया शुरू की गई।

फर्जी रिश्तेदार बनकर ठगे थे रुपये

जानकारी के अनुसार, सराय अकिल थाना क्षेत्र के इच्छना गांव निवासी अनिकेत सिंह, पुत्र भीम सिंह, 25 अगस्त 2025 को साइबर ठगी का शिकार हो गए थे। आरोपियों ने खुद को उनका परिचित रिश्तेदार बताकर इलाज के लिए तत्काल पैसों की जरूरत होने की बात कही।

भावनात्मक बातों में फंसाकर उन्होंने यूपीआई के माध्यम से अनिकेत से 10,000 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए।

कुछ समय बाद जब अनिकेत को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर शिकायत दर्ज कराई और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी।

भावनात्मक बातों में फंसाकर उन्होंने यूपीआई के माध्यम से अनिकेत से 10,000 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। कुछ समय बाद जब अनिकेत को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी।

अग्रसेन सेवा ट्रस्ट की विराट सभा

मुजफ्फरनगर। मुज़फ़्फ़रनगर भोपा रोड स्थित एक निजी होटल में श्री अग्रसेन सेवा ट्रस्ट द्वारा गुरुवार दोपहर 2 बजे अग्रवाल समाज की विराट सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं श्रीअग्रसेन सेवा ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल शारदा ने विकसित भारत की परिकल्पना, सामाजिक संगठन और सेवा कार्यों पर अपने विचार रखे। अपने संबोधन में विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि विकसित भारत की नींव मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों, भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग, महाराजा अग्रसेन के समाज आधारित सिद्धांतों तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और सेवा की भावना देश को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने मेरठ में निर्माणाधीन अग्रोधाम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हिसार के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा अग्रोधाम होगा।

पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति की जांच

पंपों पर मानक के अनुरूप मिली आपूर्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार दोपहर 2 बजे से जिले के पेट्रोल पंपों पर ईंधन की मात्रा (घटतौली) की जांच का अभियान चलाया गया। इस दौरान ईंधन की आपूर्ति निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई। विधिक माप विज्ञान निरीक्षक पवन कुमार तिवारी ने आपूर्ति निरीक्षक अखिलेश तिवारी और अशोक चौरसिया के साथ मिलकर विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। जांच दल ने परिचय पेट्रोल पंप (दादरा, अयोध्या रोड), मां विद्यावती फिलिंग स्टेशन (सुरसंडा) और बद्री प्रसाद-रामचंद्र फिलिंग स्टेशन (बस अड्डा,

नवाबगंज) पर पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की मात्रा की जांच की। निरीक्षण के दौरान, सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन की आपूर्ति निर्धारित अनुमन्य सीमा (प्लस/माइनस) के भीतर पाई गई। अधिकारियों ने बताया कि जांच में घटतौली की कोई भी शिकायत सही नहीं मिली। सभी पेट्रोल पंप निर्धारित मानकों के अनुसार ईंधन की आपूर्ति करते पाए गए।

फास्ट न्यूज

24 घंटे में सर्पदंश से तीन की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी में मानसून की शुरुआत के साथ ही सर्पदंश की घटनाएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। पिछले 24 घंटे के भीतर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जहरीले सांप के काटने से दो 16 वर्षीय किशोरियों और एक 57 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। तीनों मामलों में पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। झाड़ियों और घरों के आसपास सांपों की गतिविधियां बढ़ने से लोगों में दहशत का माहौल है।

एमएलए ने जन्मदिन पर सड़क निर्माण का तोहफा दिया

उन्नाव। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने अपने जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को लोक नगर के निवासियों को सड़क निर्माण कार्य की सौगात दी। उन्होंने इसे जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी और सौभाग्य बताया।
विधायक ने कहा कि लंबे समय से इस मार्ग के निर्माण की मांग की जा रही थी, और अब इसका कार्य शुरू कर लोगों को राहत देने का प्रयास किया गया है। विधायक पंकज गुप्ता ने बताया कि यह मार्ग काफी समय से अधूरा था, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही थी।

'पुलिस की पाठशाला' का आयोजन

उन्नाव। उन्नाव में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर गुरुवार को हुसैन नगर स्थित सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल में 'पुलिस की पाठशाला' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, कानूनी अधिकारों और विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करना था।

आगरा में नदी से हटाई गईं मशीनें, मानसून के बाद फिर शुरू होगा काम

यमुना में पानी बढ़ने से रुका मेट्रो पुल का काम

- पुल निर्माण से संबंधित सामान नदी किनारे ऊंचाई वाली जगह पर रख दिया गया है।
- यमुना पर बन रहे मेट्रो के पुल का काम रुक गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में यमुना नदी में पानी बढ़ने के कारण मेट्रो का काम प्रभावित हो गया है। जलस्तर बढ़ने से उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) को यमुना में बन रहे पुल का काम रोकना पड़ा है। मशीनों सहित

अन्य निर्माण सामग्री नदी से समेटकर किनारे पर रख दी गई है। यह अब काम मानसून खत्म होने के बाद ही शुरू हो सकेगा। मेट्रो के लिए यमुना पर अभी 8 में से 4 पिलर बनने बाकी हैं। आगरा में मेट्रो के दूसरे कॉरीडोर के लिए यमुना पर 200 करोड़ रुपये की लागत से पुल बनाया जा रहा है।दिल्ली सहित अन्य शहरों में लगातार हो रही बारिश का असर यमुना के जलस्तर पर पड़ना शुरू हो गया है। जलस्तर बढ़ने से यमुना में बन रहे मेट्रो के पुल का निर्माण प्रभावित हो गया है। 8 में से 4 पिलरों का काम रुक गया है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही यूपीएमआरसी की टीम ने शटरिंग सहित अन्य सामान हटा लिया है। सामान को नदी के ऊपरी हिस्से में रखा गया है। जलस्तर पर नजर रखने के लिए 12 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक मेट्रो का दूसरा कॉरीडोर बन रहा है। यह 16 किमी लंबा होगा। इसमें 14 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे। 200 करोड़ रुपये की लागत से यमुना नदी पर पुल भी बनाया जा रहा है। 8 में से 4 पिलर बनकर तैयार हो चुके हैं। 4 पिलर निर्माण का काम चल रहा था, जोकि रोक दिया गया है। मंगलवार सुबह 9 बजे जलस्तर में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई। इसके चलते यूपीएमआरसी की टीम ने 4 छोटी और 2 बड़ी मशीनों को हटा दिया है। आगरा कैंट, सदर बाजार, प्रतापपुरा, कलेक्ट्रेट (फ्यूचर स्टेशन- सुभाष पार्क), आगरा कॉलेज, हरीपर्वत, संजय प्लेस, एमजी रोड, सुल्लतानगंज, कमला नगर, रामबाग, फाउंड्री नगर, आगरा मंडी और कालिंदी विहार।

करंट से युवक की मौत

ठेकेदार से ढाई लाख का चेक मिलने के बाद अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में करंट लगने से युवक दुर्गेश की मौत के मामले में गुरुवार को नया घटनाक्रम सामने आया। परिजनों ने ठेकेदार की ओर से ढाई लाख रुपये का चेक मिलने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया। युवक का अंतिम संस्कार गुरुवार दोपहर करीब एक बजे धोपाप घाट पर किया गया। इससे पहले परिजनों ने मुआवजे और कार्रवाई की मांग को लेकर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। मामला कोतवाली नगर क्षेत्र के तुराबखानी (लाखीपुर) का है। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के कुबेरशाह पट्टी निवासी दुर्गेश, पुत्र मुरली, की मंगलवार रात करीब 12 बजे बिजली का कार्य करते समय करंट लगने से मौत हो गई थी।

घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। परिजनों के विरोध के बाद ठेकेदार ने ढाई लाख रुपये का चेक पुलिस के माध्यम से उपलब्ध कराया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। इस दौरान लंभुआ सर्किल के क्षेत्राधिकारी (सीओ) ऋतिक कपूर, लंभुआ पुलिस और थाना चांदा की पुलिस मौके पर मौजूद रही। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी के खिलाफ विधिक कार्रवाई नहीं की गई थी। मृतक के जीजा रिंकू, निवासी कोलीपुर/सुभाष पट्टी, थाना कुड़वार, ने आरोप लगाया कि दुर्गेश 'भोले सिंह' नामक ठेकेदार के माध्यम से काम करने गया था। उनके अनुसार, ठेकेदार ने मजदूरों को रात में काम न करने की स्पष्ट हिदायत दी थी। खाना खाने के बाद सभी मजदूर आराम कर रहे थे, तभी कुछ स्थानीय लोग वहां पहुंचे और जबरन काम कराने का दबाव बनाने लगे। घटना के बाद मृतक के परिजनों और साथी मजदूरों में आक्रोश है। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत 2 दोस्तों की मौत

1 युवक गंभीर घायल, तीनों एक ही बाइक पर थे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोल। अलीगढ़ में बुधवार रात करीब 8 बजे जवां नहर के पास एक बाइक आगे चल रहे ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि 1 युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का जेएन मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। घटना जवां थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान धौर्रा पुलिया, क्वार्सी निवासी साजिक खान (22) और समीर खान (20) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, एक बाइक पर तीन युवक बैठकर किसी काम से मार्केट जा रहे थे। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर टकराई गई। वहीं, जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को हॉस्पिटल में पहुंचाया, जहां पर डॉक्टर ने साजिव खान और समीर खान को मृत घोषित कर दिया। वहीं

घायल सुभान (21), जलालपुर, क्वार्सी का रहने वाला है। समीर के भाई नदीम ने बताया कि तीनों युवक किसी काम से जवां गए थे। वहां से एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। सुभान बाइक चला रहा था, जबकि साजिव और समीर पीछे बैठे थे। जवां नहर के पास उनकी बाइक आगे चल रहे ट्रैक्टर से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची।

मामा ने भांजे की गोली मारकर हत्या की

बीच-बचाव करने आई बहन को भी मारी गोली, गंभीर घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। बदायूं में मामा ने अपने भांजे की गोली मारकर हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आई बहन को भी गोली मार दी। गंभीर हालत में उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। वारदात के बाद आरोपी तमंचा लेकर मौके से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर गांव के लोग पहुंचे तो मां-बेटे को लहूलुहान हालत में देखा। पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया। शुरुआती जांच में पता चला कि भांजे के सीने में दो गोली और बहन के पेट में एक गोली लगी है। पुलिस ने भांजे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल बहन को अस्पताल ले गए, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस आरोपी मामा की तलाश में जुटी हुई है। मामला कादरचौक थाना क्षेत्र के

आकाश, मृतक

बख्तपुर गांव में बुधवार रात साढ़े 11 बजे का है। बख्तपुर गांव का रहने वाला वीर सिंह (42) खेती किसानी करता है। वीरसिंह अपनी बहन संतोषी और भांजे आकाश (25) के साथ रहता था। वीरसिंह का अपनी पत्नी कन्यावती से विवाद चल रहा है। वह 20 दिन से अपने बच्चे के साथ मायके में रह रही है। बुधवार को रात करीब 11 बजे दोनों मामा-भांजे एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों में झगड़ा होने लगा। वीरसिंह का कहना था कि आकाश की मां की वजह से ही उसकी पत्नी उसे छोड़कर मायके गई है। दोनों का इसी को लेकर विवाद हुआ।

दोनों के बीच गाली-गलौज और मारपीट होने लगी। परिजनों ने इसको नजरंदाज कर दिया। परिवार वालों को लगा कि नशे में हाथापाई कर रहे हैं। इसी बीच आकाश घर से लाठी निकाल लाया। इस पर वीरसिंह वहां से भाग गया, थोड़ी ही देर में वीरसिंह लौटा तो उसके हाथ में तमंचा था।

घायल महिला मेडिकल कॉलेज रेफर

घटना की सूचना मिलते ही कादरचौक पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आकाश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल संतोषी को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। एसपी सिटी, सीओ दातागंज और स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

आरोपी की तलाश में कई टीमें गठित

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में शराब पीने के दौरान हुए विवाद के बाद वारदात होने की बात सामने आई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं। तहरीर मिलने के बाद हत्या और हत्या के प्रयास सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आकाश अपने मामा पर झपटा तो उसने सीधा फायर कर दिया। बुलेट आकाश के सीने में लगी और मौके पर ही वह गिर गया। फायर की आवाज सुनकर आकाश की मां संतोषी उसे बचाने दौड़ी लेकिन आरोपी ने उसे भी गोली मार दी। कुछ देर में ही वहां गांव वालों की भीड़ जुट गई और वीरसिंह मौका पाकर भाग निकला।

भागीदारी : अध्यक्ष बोले- 27% आरक्षण के अनुरूप राजनीतिक प्रतिनिधित्व का हो रहा आकलन

पिछड़ा वर्ग आयोग की समीक्षा बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर में उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को नवीन सभागार, कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई। दोपहर 12 बजे शुरू हुई बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह ने की। बैठक में ग्रामीण निकायों में पिछड़े वर्ग की भागीदारी, उनके अधिकारों और स्थानीय प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आयोग के सदस्य बृजेश कुमार, संतोष कुमार विश्वकर्मा, डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया और एस.पी. सिंह भी मौजूद रहे। आयोग ने विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली और पिछड़े वर्ग के राजनीतिक

प्रतिनिधित्व से जुड़े आंकड़ों की समीक्षा की। सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों पर पूछे गए सवाल के जवाब में आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि पिछड़े वर्ग के सामने सबसे बड़ी समस्या शिक्षा का अभाव है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार अपने बच्चों को बेहतर और पूरी शिक्षा नहीं दिला पा रहे हैं, जिस पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति राम औतार सिंह ने बताया कि सुलतानपुर उनका 10वां या 11वां जिला दौरा है। आयोग पूरे उत्तर प्रदेश के सभी जिलों का भ्रमण कर संबंधित जानकारी एकत्र करेगा। इसके बाद सभी तथ्यों का अध्ययन कर अंतिम रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार को दिए जाने वाले सुझाव फिलहाल गोपनीय हैं, इसलिए उनका खुलासा अभी नहीं किया जा सकता।

'27% आरक्षण के अनुरूप प्रतिनिधित्व का कर रहे हैं आकलन'

मीडिया से बातचीत में आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह ने कहा कि आयोग यह अध्ययन कर रहा है कि पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था के अनुरूप स्थानीय निकायों में पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल रहा है या नहीं। उन्होंने बताया कि अब तक उपलब्ध रिकॉर्ड और पूछताछ के आधार पर पिछड़े वर्ग को 20 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व मिलता दिखाई दे रहा है और फिलहाल इस संबंध में कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है।

न्यायमूर्ति राम औतार सिंह ने कहा कि पिछड़े वर्ग की जनसंख्या अधिक होने के कारण उन्हें जनसंख्या के अनुपात में अधिक प्रतिनिधित्व मिलने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संबंध में अंतिम निर्णय सरकार को ही लेना है और आयोग अपनी रिपोर्ट के आधार पर सुझाव देगा।

बुलंदशहर में नए सिपाही ने सर्विस राइफल से दी जान

मौत से पहले परिजनों को भेजे ऑडियो में एसओ और मुंशी को ठहराया जिम्मेदार

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। बुलंदशहर में गुरुवार तड़के 3 बजे सिपाही ने सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। साथी सिपाही ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने उसे भी गोली मारने की धमकी दी, फिर हवाई फायरिंग कर दी। सिपाही का इस ऑडियो भी सामने आया है। इसमें वो अपनी मौत के लिए थाने के एसओ और मुंशी को जिम्मेदार ठहरा रहा है। सुसाइड से पहले रिकॉर्डिंग सुधीर ने अपने परिजनों को भेजी थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक सिपाही का नाम सुधीर ठाकुर (25) है। 3 महीने पहले ही उसकी नौकरी लगी थी। साथी सौरभ ने बताया कि सुधीर जिस लड़की को चाहता था उसकी एक

सुधीर, मृतक

महीने पहले शादी हो गई थी। इसके बाद से वह तनाव में रहता था। कई बार सुधीर को साथियों ने समझाने की कोशिश की। लेकिन वह बार-बार कहता था- मुझे मरना है। मामला औरंगाबाद कस्बे के लखावटी पुलिस चौकी क्षेत्र का है। सिपाही सुधीर मूल रूप से आगरा के इरादतनगर क्षेत्र के संगेचा गांव का रहने वाला था। तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। बड़े भाई कृष्णा (32) गांव में खेती करते हैं, जबकि छोटा भाई पवन (21) पढ़ाई कर रहा है। मां गुड्डी देवी और पिता जगवीर खेती कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। साथी सौरभ ने पुलिस अफसरों को बताया कि बुधवार देर रात सभी के साथ बैठे होने के बावजूद सुधीर बेचैन था। वह बार-बार कह रहा था- अब जीना नहीं चाहता। गुरुवार तड़के 3 बजे वह अपनी राइफल लेकर लखावटी चौकी से थोड़ी दूर नहर की तरफ जाने लगा। सौरभ ने बताया कि सुधीर को नहर की तरफ जाता देख उसे शक हुआ। वह उसके पीछे-पीछे जाने लगा। इस पर सुधीर ने सौरभ को पीछे आने से मना किया, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हुई। सुधीर ने खुद को गोली मारकर जान देने की बात कही। सौरभ ने रोकने की कोशिश की तो उसने हवा में फायरिंग कर दी।

सम्पादकीय

आयात घटाने की चुनौती

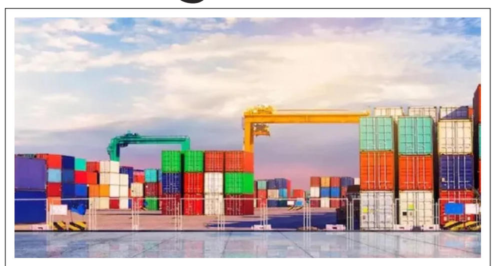

गत दिवस केंद्रीय कैबिनेट ने जो अनेक फैसले लिए, उनमें अधिकांश के केंद्र में देश की आर्थिक स्थिति को बल प्रदान करना रहा। ये फैसले यही अधिक रेखांकित करते हैं कि सरकार यह चाहती है कि आयात घटे और मैन्यूफैक्चरिंग बढ़े ताकि निर्यात बढ़े। सरकार ऐसे प्रयत्न पहले भी करती रही है। इसका प्रमाण है उसकी ओर से मेक इन इंडिया के साथ देश को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान शुरू करना और साथ ही स्वदेशी के मंत्र को दोहराना। इन अभियानों को जोर-शोर से शुरू करने और कारोबारियों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक उपाय करने के बाद भी बात पूरी तरह बन नहीं रही है।

देश को अनेक ऐसे उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है, जिनका उत्पादन देश में आसानी से किया जा सकता है। तथ्य यह भी है कि भारतीय उत्पादों का निर्यात अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ पा रहा है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि देश के वे कारोबारी भी आयात पर निर्भरता कम करने वाले तौर-तरीके अपनाने और विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं, जिनके पास पूंजी और संसाधनों की कमी नहीं।

समझना कठिन है कि हमारे बड़े कारोबारी भी शोध एवं नवाचार पर अपेक्षित निवेश करने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? उचित यह होगा कि सरकार इसके कारणों की तह तक जाए, क्योंकि आयात कम करना और निर्यात बढ़ाना तब तक संभव नहीं, जब तक हमारे कारोबारी अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करते।

भारतीय कारोबारी बहुत कम ऐसे उत्पाद बनाते हैं, जिनकी विश्व में मांग, पहचान और प्रतिष्ठा हो। यदि वे विश्वस्तरीय सेवाएं दे सकते हैं तो विश्व स्तर की गुणवत्ता वाले उत्पाद क्यों नहीं बना पा रहे हैं? यह ध्यान रखा जाए कि भारतीय उत्पाद विश्व में तभी अपना स्थान बना सकते हैं, जब उनकी गुणवत्ता बढ़ेगी। आज यह अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए कि समृद्ध होता भारतीय मध्य वर्ग कम गुणवत्ता वाले उत्पाद इस कारण खरीदने के लिए तैयार हो जाएगा, क्योंकि वे स्वदेश में निर्मित हैं। जब उन्हें उसी मूल्य पर विदेशी उत्पाद आसानी से उपलब्ध हैं तो फिर वे गुणवत्ता से समझौता क्यों करें? निःसंदेह यह भी ठीक नहीं कि भारत जिस तैयार माल का निर्यात बढ़ा रहा है, उसे बनाने के लिए कई आवश्यक कल-पुर्जे बाहर और विशेष रूप से चीन से आयात किए जाते हैं।

इनमें इलेक्ट्रानिक्स वस्तुओं के साथ दवाएं और इंजीनियरिंग सामान भी शामिल है। यह चिंताजनक है कि तमाम जतन के बाद भी चीन से आयात पर निर्भरता खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। यदि भारत को निर्यात बढ़ाना है तो कपड़ा, रत्न-आभूषण और रसायनों जैसे परंपरागत उत्पादों के साथ-साथ इलेक्ट्रानिक्स सामग्री के निर्माण पर भी ध्यान देना होगा।

मंदिरों में भ्रष्टाचार : वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

> मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो।

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है।

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है।

ललित गर्ग

अहंकार से सहानुभूति की ओर

सम्मान, सहानुभूति और समझ ही आधुनिक संबंधों की नींव हैं

वह जहां अहंकार दूरियों को बढ़ाता हैं, वहीं एक - दूसरे की भावनाओं को समझना रिश्तों को गहराईं देता हैं । ज्ञान में अहंकार उसी प्रकार मिश्रित होता है जिस प्रकार दूध में पानी, वास्तविक ज्ञानी हंस के समान होता है । वह जो ज्ञान तो प्राप्त करता है किन्तु उसके साथ मिश्रित अहंकार त्याग देता है । अतः हमारा अहंकार रहित ज्ञान ही आत्म-ज्ञान की प्राप्ति का मार्ग हैं जिस पर व्यक्ति चलता हुआ ईश्वर साक्षात्कार के लक्ष्य तक पहुंचता है। ज्ञान से जीवन का पथ आलोकित बनता है। ज्ञान का सूरज हर कदम पर साथ चलता है। पर अहंकार का राहू जब डस लेता है सूरज को तो भरी दुपहरी मे भी सबकुछ धुंधला लगता है। जीवित रहने के लिए जिस प्रकार हमको हवा व भोजन आवश्यक हैं। उसी प्रकार जीवन में रिश्ते भी जरूरी हैं। हमारे भौतिक सुख सुविधा चाहे कितनी भी हों यदि साथ में परिवार, मित्र, सहकर्मी आदि- आदि न हों तो ऐसा लगता है जैसे कुछ नहीं हैं। कहते भी हैं जीवन की बड़ी कीमती पूंजी हमारे रिश्ते हैं। वह चाहे हों स्व पारिवार के या हों मित्र-यार के , चाहे वरिष्ठ-कनिष्ठ सहकर्मियों के हों, या हों समान धर्मानुयायियों के आदि - आदि । किसी से भी रिश्ते हों । हमारे जीवन को संतुलन और खुशी रिश्ते प्रदान करते हैं। रिश्ते प्रेम से अंकुरित होते हैं। वह संवाद से जिंदा रहते हैं, संवेदनाओं से महसूस होते हैं। रिश्तें दिल से जिएं जाते हैं , गलतफहमियों से मुरझा जाते हैं, अहंकार से बिखर जाते हैं आदि - आदि । इसलिए आपसी तालमेल , सूझबूझ व प्रेम आदि से रिश्तों को बनाए रखें । जीवन में शांत, प्रसन्न व तनाव मुक्त रहें । हम यह याद रखें कि रिश्तों की मिठास ही जीवन में माधुर्य का आभास देती है। इसलिए मधुर रिश्ते जीवन के खास हिस्से हैं । रिश्तों के कईं धागे हैं जिन्हे जोड़कर हम हर रिश्ते की माला को और सुंदर बना सकतें हैं । रिश्तों का सौन्दर्य परफ़ेक्ट होने में नहीं हैं , बल्कि संवदेनशील होने में हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

1947 के विभाजन...

राजेश जैन

सिंधु जल संधिः आतंकवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और बदलती कूटनीति

भारत और पाकिस्तान के बीच 19 सितंबर 1960 को हुई सिंधु जल संधि को लंबे समय तक दुनिया के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय जल समझौतों में गिना जाता रहा। यह संधि तीन युद्धों, कारगिल संघर्ष, संसद हमले, मुंबई हमले और दोनों देशों के बीच लगातार तनाव के बावजूद छह दशक तक कायम रही लेकिन अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पहली बार इस संधि को स्थगित करने का फैसला लेकर स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद और सामान्य द्विपक्षीय संबंध अब साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे में यह विवाद अब केवल पानी के बंटवारे तक सीमित नहीं है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून, जल संसाधन और दक्षिण एशिया की भविष्य की राजनीति जैसे कई आयाम जुड़ चुके हैं। हाल में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर, विदेश मंत्री इसहाक डार और पीपीपी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी की तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद सिंधु जल संधि एक बार फिर चर्चा में है।

सिंधु नदी प्रणाली में छह प्रमुख नदियां शामिल हैं-सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इन नदियों का जलग्रहण क्षेत्र भारत, पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान तक फैला है तथा करोड़ों लोगों की आजीविका इन्हीं पर निर्भर करती है।

1947 के विभाजन के बाद पानी के बंटवारे को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद शुरू हो गया। 1948 में भारत द्वारा कुछ नहरों का पानी अस्थायी रूप से रोके जाने के बाद स्थिति गंभीर हुई। इसके समाधान के लिए विश्व बैंक ने मध्यस्थता की और करीब नौ वर्षों की लंबी बातचीत के बाद 1960 में कराची में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत रावी, ब्यास और सतलुज का उपयोग भारत को मिला जबकि सिंधु, झेलम और चिनाब का अधिकांश जल उपयोग पाकिस्तान के हिस्से में गया। कुल जल प्रवाह का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान और लगभग 20 प्रतिशत भारत को मिला। यही वजह है कि भारत में समय-समय पर यह सवाल उठता रहा कि ऊपरी धारा वाला देश होने के बावजूद उसने अपेक्षाकृत अधिक उदारता क्यों दिखाई।

सामान्य धारणा यह है कि भारत ने केवल पानी छोड़ा जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। भारत ने पश्चिमी नदियों का अधिकांश जल उपयोग पाकिस्तान को दिया और उसके सिंचाई ढांचे के विकास में भी आर्थिक सहयोग किया। बदले में भारत को पश्चिमी नदियों पर सीमित सिंचाई, घरेलू उपयोग और जलविद्युत परियोजनाएं बनाने का अधिकार मिला लेकिन पानी के प्राकृतिक प्रवाह को रोकने का अधिकार नहीं मिला। संधि के तहत स्थायी सिंधु आयोग का गठन किया गया जिसके माध्यम से दोनों देश नियमित बैठकें करते थे, परियोजनाओं की जानकारी साझा करते थे और विवादों का समाधान बातचीत से निकालने की कोशिश करते थे। यही व्यवस्था छह दशकों तक इस संधि की सबसे बड़ी ताकत रही।

पिछले तीन दशकों में उरी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को लगातार बढ़ाया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देता है और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय समझौतों का लाभ भी उठाता है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने पहली बार स्पष्ट रूप से कहा कि ₹आतंकवाद और सहयोग साथ-साथ नहीं चल सकते।₹ इसके बाद सिंधु जल संधि को स्थगित करने, जल संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान पर रोक लगाने और संयुक्त बैठकों को बंद करने जैसे कदम उठाए गए। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय और स्थायी कार्रवाई नहीं करेगा, तब तक यह नीति जारी रहेगी। पाकिस्तान की लगभग 80 प्रतिशत कृषि सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है। पंजाब और सिंध प्रांत की खेती, खाद्यान्न उत्पादन तथा करोड़ों लोगों की आजीविका इसी जल पर आधारित है। यही कारण है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर, विदेश मंत्री इसहाक डार और पीपीपी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' बनी मिसाल

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों में आर्थिक स्वावलंबन और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों को सृजित करने के उद्देश्य से संचालित 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का एक सशक्त माध्यम सिद्ध हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक कारीगरों, युवाओं और महिलाओं को उद्यमिता से जोड़कर उनका आर्थिक सशक्तिकरण करना है। इस कल्याणकारी योजना के तहत प्रदान की जाने वाली विभिन्न वित्तीय, तकनीकी और ढांचागत सुविधाएं ग्रामीण प्रतिभाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित हो रही हैं, जिससे गांवों से होने वाले पलायन में भारी कमी आई है। योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में नए उद्योग स्थापित करने के लिए संस्थागत ऋण की एक बेहद सुदृढ़ और पारदर्शी व्यवस्था की गई है। इसके तहत पात्र आवेदकों को बैंक के माध्यम से 10 लाख रुपये तक का पूंजीगत ऋण उपलब्ध कराया जाता है। यह वित्तीय सहायता मुख्य रूप से उन परियोजनाओं के लिए प्रदान की जाती है जो उत्तर प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा स्वीकृत श्रेणियों के अंतर्गत आती हैं। पूंजी की इस सुलभ उपलब्धता से ग्रामीण युवाओं के लिए अपने स्वयं के व्यवसाय शुरू करने की राह अत्यंत आसान हुई है। योजना की सबसे महत्वपूर्ण सुविधा इसमें मिलने वाली भारी वित्तीय छूट और मार्जिन मनी (सब्सिडी) की व्यवस्था है। प्रदेश सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के लाभार्थियों के लिए परियोजना लागत पर 15 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जाती है। इसके साथ ही, समाज के कमजोर और आरक्षित वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिलाओं, दिव्यांगों और भूतपूर्व सैनिकों को स्वरोजगार में विशेष प्राथमिकता देने के लिए योजना के तहत 25 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। यह बड़ा वित्तीय प्रोत्साहन नए ग्रामीण उद्यमियों पर शुरुआती कर्ज के बोझ को काफी हद तक कम कर देता है। व्यवसाय की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए केवल धन की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि इसके लिए सही तकनीकी कौशल की भी आवश्यकता होती है। इसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के समन्वय से सभी चयनित लाभार्थियों के लिए व्यापक तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाता है। इस निशुल्क प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीण उद्यमियों को आधुनिक मशीनों के कुशल संचालन, उत्पाद की गुणवत्ता में निरंतर सुधार, वित्तीय प्रबंधन और विपणन के व्यावहारिक गुर सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण उद्यमियों के सामने अपने निर्मित उत्पादों को बेचने और सही बाजार तलाशने की चुनौती के स्थाई समाधान के लिए एक एकीकृत विपणन सहायता तंत्र विकसित किया गया है। खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से क्षेत्रीय, जिला और राज्य स्तरों पर विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनियों, मेलों और बाजारों का आयोजन किया जाता है, जहाँ इन ग्रामीण उद्यमियों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और उपभोक्ताओं को सीधे बेचने के लिए पूरी तरह से निशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाते हैं। साथ ही, इन ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए डिजिटल और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। योजना की संपूर्ण प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी, त्वरित और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने आवेदन प्रणाली को पूर्णतः ऑनलाइन कर दिया है।

जरा हटके

यह मॉडल उद्योगों ...

सरिता वर्मा

वर्तमान सरकार में यमुना प्राधिकरण बना हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग हब

उत्तर प्रदेश आज देश के औद्योगिक विकास की नई धुरी बनकर उभर रहा है। बेहतर आधारभूत संरचना, निवेशक-अनुकूल नीतियां, मजबूत कानून-व्यवस्था और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था ने प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, सौर ऊर्जा, मेडिकल डिवाइस और हाईटेक विनिर्माण जैसे भविष्य के उद्योगों में भी तेजी से अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। इस परिवर्तन का सबसे सशक्त उदाहरण यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र है, जो आधुनिक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ प्रदेश को नई औद्योगिक ऊंचाइयों की ओर अग्रसर कर रहा है। औद्योगिक विकास केवल बड़े निवेश तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसका वास्तविक उद्देश्य रोजगार के अवसर बढ़ाना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देना और युवाओं को अपने ही प्रदेश में बेहतर भविष्य उपलब्ध कराना होता है। लंबे समय तक उच्च तकनीक आधारित उद्योग देश के कुछ चुनिंदा राज्यों तक सीमित रहे, जिसके कारण बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शी औद्योगिक नीति ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आज प्रदेश में विकसित हो रहे आधुनिक औद्योगिक क्लस्टर न केवल निवेश आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों को भी नई उड़ान दे रहे हैं। यीडा क्षेत्र में क्लस्टर आधारित औद्योगिक विकास मॉडल के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी), मेडिकल डिवाइस पार्क, अपैरल पार्क, टॉय पार्क, एमएसएमई पार्क, ओडीओपी पार्क तथा हस्तशिल्प पार्क जैसे अत्याधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य उद्योगों को विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना, उत्पादन लागत कम करना और निवेशकों के लिए एक समेकित औद्योगिक वातावरण तैयार करना है। यह मॉडल उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ प्रदेश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि तब प्राप्त हुई, जब भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यीडा के सेक्टर-10 में 206.40 एकड़ क्षेत्रफल में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) की स्थापना को मंजूरी प्रदान की। लगभग 417 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में केंद्र सरकार द्वारा लगभग 144.48 करोड़ रुपये तथा यीडा द्वारा लगभग 272.52 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। इस परियोजना के माध्यम से अत्याधुनिक औद्योगिक अवसंरचना विकसित की जाएगी, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के लिए विश्वस्तरीय इकोसिस्टम तैयार होगा। परियोजना का निर्माण चरणबद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ रहा है और निर्धारित समय सीमा में इसे पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यीडा के सेक्टर-8 में विकसित हो रही अत्याधुनिक सौर ऊर्जा निर्माण इकाई प्रदेश के हरित औद्योगिक विकास की नई पहचान बन रही है। लगभग 200 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाली इस परियोजना में 8,253 करोड़ रुपये के निवेश हो रहे है। यहां सोलर सेल और सोलर मॉड्यूल का निर्माण किया जाएगा, जिससे भारत की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं को मजबूती मिलेगी। इस परियोजना के माध्यम से लगभग 5,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है। यह निवेश केवल उद्योग की स्थापना तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे स्थानीय स्तर पर सहायक उद्योगों, सेवा क्षेत्र और लघु उद्यमों को भी नई गति मिलेगी। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती सेमीकंडक्टर उद्योग की मांग को देखते हुए उत्तर प्रदेश ने इस क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं। यीडा के सेक्टर-10 स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में लगभग 3,250 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई स्थापित की जा रही है। यहां फ्लेक्सिबल पीसीबी, हाई डेंसिटी इंटरकनेक्ट (एचडी-आई) पीसीबी तथा सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट जैसे उच्च तकनीक उत्पादों का निर्माण होगा। इस परियोजना से लगभग 1,500 युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। यह निवेश उत्तर प्रदेश को देश के उभरते सेमीकंडक्टर विनिर्माण मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम है।

इसी प्रकार यीडा के सेक्टर-8 में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स निर्माण की एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना के अंतर्गत लगभग 3,532 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। इस इकाई में कॉपर क्लैड लैमिनेट, इलेक्ट्रॉनिक असेंबली तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का निर्माण किया जाएगा। इससे प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन और अधिक मजबूत होगी तथा लगभग 2,000 युवाओं के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

छुट्टी नहीं मिली, सिपाही ने खुद को गोली मारी

बुलंदशहर में मौत से पहले ऑडियो बनाया, कहा- 3 पुलिसवालों की वजह से जान दे रहा हूं

आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। बुलंदशहर में गुरुवार तड़के 3 बजे 25 साल के सिपाही ने सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। साथी सिपाही ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने हवाई फायरिंग कर दी। साथी सूचना देने चौकी इंचार्ज के पास भागा। इस बीच, सिपाही ने खुद को गोली मार ली। पुलिस पहुंची तो उसकी मौत हो चुकी थी। एसपी सिटी अभिषेक प्रताप ने बताया कि सिपाही का नाम सुधीर है। उसने सुसाइड किया है। मरने से पहले सिपाही ने एक ऑडियो रिकॉर्ड किया। इसमें उसने आरोप लगाया कि उसकी मौत के लिए एसओ और दोनों मुंशी जिम्मेदार हैं। पेट दर्द की शिकायत करने पर एसओ ने टॉर्चर किया और लाइन हाजिर कर दिया। दोनों मुंशियों ने भी उसकी बात नहीं सुनी। सिपाही की भाभी ने भी आरोप लगाया कि छुट्टी न मिलने पर देवर ने जान दी। हालांकि, इससे पहले साथी सिपाही ने बताया था कि सुधीर जिस लड़की से प्यार करता था, उसकी एक महीने पहले शादी हो गई थी, इसलिए वह तनाव में रहता था। बार-बार कहता था- मुझे मरना है। फिलहाल, एसपी दिनेश कुमार सिंह ने एसओ (थानाध्यक्ष) राहुल चौधरी और दोनों मुंशी अंकित और सुधीर को लाइन हाजिर कर दिया है। तीनों के खिलाफ विभागीय जांच बैठा दी है।

सुधीर, मृतक

साथी सिपाही सौरभ का कहना है कि बुधवार देर रात सभी के साथ बैठे होने के बावजूद सुधीर बेचैन था। वह बार-बार कह रहा था- अब जीना नहीं चाहता। गुरुवार तड़के 3 बजे वह अपनी राइफल लेकर लखावटी चौकी से थोड़ी दूर नहर की तरफ जाने लगा। सौरभ ने बताया कि सुधीर को नहर की तरफ जाता देख उसे शक हुआ। वह उसके पीछे-पीछे जाने लगा।

मामला औरंगाबाद कस्बे के लखावटी पुलिस चौकी क्षेत्र का है। सुधीर ठाकुर आगरा का रहने वाला था। उसकी नौकरी 3 महीने पहले ही लगी थी। बेटे की मौत की खबर मिलते ही पिता जगवीर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। शव देखकर फूट-फूटकर रो लगे। सीओ प्रखर पांडेय ने उनके कंधे पर हाथ रखकर ढांढस बंधाया। 13 जुलाई की दोपहर उसके पेट में दर्द हो रहा था। इसकी जानकारी मैंने मुंशी अंकित-सुधीर को दी, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। इसके बाद मैंने एसओ राहुल चौधरी को अपनी परेशानी बताई तो वह नाराज हो गए।

भाभी बोलीं- देवर ने छुट्टी मांगी तो टॉर्चर किया

भाभी चिंकी ने बताया, सुधीर ने मेरे बड़े देवर को फोन कर कहा था कि मेरे पेट में दर्द है। उन्होंने कहा कि छुट्टी ले लो। इस पर सुधीर ने बताया कि उसने छुट्टी मांगी थी, लेकिन उसे छुट्टी नहीं दी गई। उल्टा उसे टॉर्चर किया गया।₹ आज सुबह करीब 5 बजे दरोगा साहब का फोन आया। उन्होंने बताया कि सुधीर ने आत्महत्या कर ली है।

इसके बाद घर के लोग बुलंद-शहर के लिए रवाना हो गए। सुधीर 15-20 दिन पहले घर आए थे। उससे पहले वह एसआई की परीक्षा देने आए थे।

इन 3 पुलिसवालों पर एक्शन

राहुल चौधरी, थाना प्रभारी | अंकित गुर्जर, सिपाही | सुधीर कुमार, सिपाही

भाभी चिंकी ने बताया– सुधीर 15–20 दिन पहले घर आए थे।

साथी ने बताया- रात में कह रहा था कि अब जीना नहीं चाहता

सिपाही सुधीर मूल रूप से आगरा के इरादतनगर क्षेत्र के संगेचा गांव का रहने वाला था। तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। बड़े भाई कृष्णा (32) गांव में खेती करते हैं, जबकि छोटा भाई पवन (21) पढ़ाई कर रहा है।

लोडर ड्राइवर की सिर कूंचकर हत्या

शौच के लिए घर से निकला था, रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे घर से बाहर निकले एक लोडर ड्राइवर की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। सुबह करीब 11 बजे उसका शव डिग्गी तालाब के पास स्थित रेलवे लाइन किनारे पड़ा मिला। घटना की जानकारी पर आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हैलट अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला बाबूपुरवा का है। बाबूपुरवा थाना के इंस्पेक्टर नीरज ओझा ने बताया कि साईपुरवा निवासी साहिल लोडर चलाता था। गुरुवार सुबह 9 बजे वह टॉयलेट करने के लिए जाने की बात कहकर घर से निकला था। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने

तलाश शुरू की। घर से कुछ दूर डिग्गी तालाब के पास से गुजरे रेलवे ट्रैक के किनारे उसका शव पड़ा हुआ था। परिजनों की सूचना पर मौके पर पुलिस टीम पहुंची और उसे हैलट अस्पताल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों ने इलाके में रहने वाले एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद आरोपी फरार मिला, जिस पर उसके परिजनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

फास्ट न्यूज

टटीरी में बाल श्रमिक पुनर्वास अभियान

बागपत। बागपत पुलिस की ओर से बाल श्रम के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में, पुलिस अधीक्षक बागपत के निर्देश पर थाना एएचटीयू बागपत और प्रोबेशन विभाग की संयुक्त टीम ने कस्बा टटीरी में 'ऑपरेशन रक्षा' और 'बाल श्रमिक पुनर्वास अभियान' चलाया। इस अभियान के दौरान एक किराना स्टोर पर एक नाबालिग बालक काम करते हुए पाया गया।

घर में घुसकर हंगामे का आरोप

मैनपुरी। मैनपुरी जिले के भोगांव थाना क्षेत्र के नगला गढ़ी गांव निवासी विजय कुमार ने जिलाधिकारी से शिकायत कर छह लोगों पर घर में घुसकर हंगामा करने, गाली-गलौज, मारपीट का प्रयास, जान से मारने की धमकी देने और सीसीटीवी कैमरा तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, विजय कुमार ने 11 अप्रैल 2026 को अपने घर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे।

फर्जी नियुक्ति पत्र से युवती से 8.81 लाख की ठगी

बलरामपुर। बलरामपुर में एक युवती से सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने खुद को राजस्व विभाग का कर्मचारी बताकर फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार किया था। उसने युवती से अमीन के पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा देकर करीब 8.81 लाख रुपये ठग लिए थे। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने गुरुवार दोपहर 1 बजे बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र के गोविंदबाग निवासी शालिनी वर्मा ने 10 जुलाई को तहरीर दी थी।

खराब ट्रैक्टर-ट्राली में घुसी बाइक, मामा-भांजे की मौत

रनियां फैक्ट्री से काम कर लौट रहे थे, 8 दिन पहले नौकरी करने आया था मामा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। महाराजपुर में हाईवे किनारे खड़े डंपर में पीछे से घुसी स्कर्पियो में भाई–बहन समेत तीन लोगों को मौत को अभी को अभी तीन ही दिन बीते थे, कि बुधवार शाम करीब 7 बजे सचेंडी में हाईवे किनारे खड़े खराब ट्रैक्टर ट्राली में बाइक भिड़ने से मामा–भांजे की मौत हो गई। दोनों सचेंडी स्थित फैक्ट्री से रनियां जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भिजवाया है। फतेहपुर निवासी मजदूर राकेश सोनी ने बताया कि उनका 23 वर्षीय इकलौता बेटा कृष्ण कुमार 10 साल से रनियां में किराए में कमरा लेकर रह रहे थे। परिवार में पत्नी सुमन, बहू निशा, 2 साल का पौत्र कुंज व बेटी सुनीता है, जो गांव में ही रहते हैं। राकेश के मुताबिक कृष्ण कुमार पहले एक

कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करते थे। इसके बाद 7 माह से वह सचेंडी स्थित फैक्ट्री में काम करने लगा था। घटना की जानकारी देते मृतक कृष्ण कुमार के पिता राकेश सोनी 8 दिन पहले कृष्ण कुमार ने मूलरूप से हमीरपुर के बक्छा, भभई निवासी अपने मामा सुनील (21) की नौकरी फैक्ट्री में लगवायी थी। जिसके बाद वह दोनों रनियां में एक ही कमरे में रहकर नौकरी करते थे। सुनील के परिवार में मां शिव कुमारी, बड़ा भाई अनिल, रवि और बहनें सीता, प्रियंका व प्रांशी हैं।

ट्रक से कुचलकर साइकिल सवार की मौत

संतुलन बिगड़ने से पहिए के नीचे आया, आंतें तक बाहर आईं, एक बाल-बाल बचा

- साइकिल सहित एक व्यक्ति ट्रक के नीचे आ गया। पिछला पहिया गुजरने से बुरी तरह कुचल गया।
- साइकिल का संतुलन बिगड़ा और पास से गुजर रहे ट्रक के नीचे साइकिल सहित एक व्यक्ति आ गया। जबकि दूसरा बाल-बाल बच गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार सुबह करीब 7 बजे कंक्रीट मिक्सर मशीन लगे ट्रक के पहिए से कुचलकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि वह बुरी तरह कुचल गया और उसकी आंतें बाहर आ गईं। दरअसल, ट्रक के गुजरने के दौरान साइकिल सवार का अचानक

नखरु राजभर, मृतक

संतुलन बिगड़ गया। वह साइकिल समेत ट्रक के पिछले पहिए के नीचे आ गया। वहीं, साइकिल के पीछे बैठा दूसरा व्यक्ति बाल-बाल बच गया। हाईवे पर पहुंचे तो अचानक से उनके बगल से कंक्रीट मिक्सर लगा ट्रक गुजरा।

उसी समय किन्हीं कारणों से उनके साइकिल का बैलेंस बिगड़ गया। वह संभालते इसके पहले साइकिल सहित नखऊ ट्रक के दोनों पहियों के बीच में आ गए। कोई कुछ समझ पाता इसके पहले उनके ऊपर ट्रक का पिछला पहिया चढ़ गया। ट्रक के पिछले पहिए के नीचे आने से नखरु का शरीर बुरी तरह कुचल गया। उनकी आंतें तक बाहर आ गईं थीं। जबकि उनका रिश्तेदार बाल-बाल बच गया।

हादसे के बाद आसपास के लोग जुट गए। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। उधर, एक्सीडेंट के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

> यह घटना चोलापुर थाना क्षेत्र के आजमगढ़ हाईवे पर हुई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर ट्रक और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। जैरामपुर सरैया गांव के रहने वाले नखरु राजभर उर्फ कल्लू (45) बुधवार को अपने ससुराल पहाड़पुर गांव आए हुए थे। गुरुवार सुबह वह अपने रिश्तेदार के साथ साइकिल से किसी काम से दानगंज बाजार जा रहे थे। साइकिल नखऊ चला रहे थे और उनका रिश्तेदार कैरियर पर बैठा हुआ था।

थाना प्रभारी सधुवान राम गौतम ने बताया- सड़क हादसे बुजुर्ग की मौत हो गई है। हादसे का बाद आरोपी वाहन मौके से फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी वाहन की तलाश की जा रही है। परिजनों की ओर से मिले तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

ठेला चलाकर करते थे परिवार का पालन-पोषण

नखरु राजभर ठेला चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिवार में पत्नी पुम्मी देवी, तीन बेटे और एक बेटी हैं। चारों बच्चे गांव के स्कूल में पढ़ते हैं। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

छात्रा से गैंगरेप के आरोपी का एनकाउंटर

पैर में मारी गोली, चलती कार में की थी दरिंदगी, स्टेशन पर छोड़कर भागे थे

- गैंगरेप के आरोपी सुरेंद्र सेन को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर। ललितपुर में 19 साल की छात्रा से चलती कार में गैंगरेप के मामले में पुलिस ने बुधवार रात 1 बजे आरोपी का हाफ एनकाउंटर किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की कार रोकने की कोशिश की गई तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई। आरोपी सुरेंद्र सेन (25) का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। दो दिन पहले आरोपी सुरेंद्र सेन और उसके दो साथियों ने पीड़िता को मिलने बुलाया।

बादल राजा, प्रेमी
रवि शंकर

> पुलिस का कहना है कि इंस्पेक्टर अनुराग अवस्थी और स्वाट टीम प्रभारी अतुल तिवारी बुधवार रात करीब 1 बजे राजघाट के पास चेकिंग कर रहे थे। तभी एक बलेनो कार आती दिखाई दी। पुलिस ने कार रोकने का प्रयास किया तो आरोपी जखौरा मार्ग पर पुलिया के पास कार खड़ी कर भागने लगा। भागते समय उसने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग कर दी। इसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में सुरेंद्र सेन के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा।

5 घंटे तक कार में घुमाया, फिर रेलवे स्टेशन छोड़ा

पीड़िता के मुताबिक, तीनों आरोपी उसे शाम करीब 6 बजे घर से लेकर गए। वे करीब पांच घंटे तक अलग-अलग रास्तों पर घुमाते रहे। रात 11 बजे के बाद उसे घर से 15 किमी दूर ललितपुर रेलवे स्टेशन के पास छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह उसने अपने मोबाइल से बहन को फोन कर पूरी घटना बताई। इसके बाद रात करीब 12 बजे उसके माता-पिता रेलवे स्टेशन पहुंचे। उसे अपने साथ लेकर कोतवाली पहुंचे।

25 किमी दूर ले जाकर जबरन शराब पिलाई

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम करीब 6 बजे वह घर के बाहर दुकान पर बैठी थी, तभी गांव का ही बादल राजा वहां पहुंचा। उसने कहा कि कुछ जरूरी बात करनी है। छात्रा ने बात पूछी तो आरोपी ने कार में बैठकर आराम से बताने को कहा। परिचित होने के कारण वह उसके साथ चली गई।

मां बोलीं- घर लौटी तो बेटी नहीं मिली

पीड़िता की मां ने बताया कि वह मंगलवार शाम ललितपुर से घर लौटीं तो बेटी घर पर नहीं दिखी। पड़ोसियों ने बताया कि गांव का रहने वाला बादल राजा उसे अपने साथ कार में ले गया है। देर रात 11 बजे के बाद बेटी का फोन उसकी बहन के मोबाइल पर आया, तब घटना की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बादल राजा का घर छात्रा के घर से करीब 300 मीटर की दूरी पर है। जबकि, दूसरा आरोपी सुरेंद्र सेन पास पांच किमी दूर एक गांव का रहने वाला है। दोनों आपस में दोस्त हैं।

मोबाइल चार्जर लगाते समय किशोर की करंट से मौत

कासगंज के कादरवाड़ी गांव में हादसा, परिजन बिना पोस्टमार्टम शव ले गए

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। कासगंज जनपद के सोरों कोतवाली क्षेत्र के कादरवाड़ी गांव में गुरुवार को मोबाइल चार्जर लगाते समय 17 वर्षीय किशोर की विद्युत करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना से गांव में दुख का माहौल है। जानकारी के अनुसार, कादरवाड़ी निवासी रक्षपाल का 17 वर्षीय पुत्र निर्गुण अपने घर में मोबाइल चार्ज करने के लिए विद्युत बोर्ड में चार्जर लगा रहा था। इसी दौरान वह अचानक विद्युत करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही अचेत हो गया। परिजन तत्काल निर्गुण को उपचार के लिए जिला अस्पताल कासगंज लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद किशोर को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने इस संबंध में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कराई और

शव को बिना पोस्टमार्टम कराए घर ले गए। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अंकित ने बताया कि किशोर को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था। जांच के दौरान उसकी मौत की पुष्टि हुई। किशोर की मौत से गांव में शोक व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने घटना पर संवेदना व्यक्त की और घरों में विद्युत उपकरणों का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अंकित ने बताया कि किशोर को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था। जांच के दौरान उसकी मौत की पुष्टि हुई।

चलती कार में छात्रा से गैंगरेप

लड़की बोली- शराब पिलाकर 5 घंटे तक घुमाते रहे, 3 लोग स्टेशन पर छोड़कर भागे

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर। ललितपुर में 19 साल की छात्रा के साथ चलती कार में गैंगरेप का मामला सामने आया है। लड़की ने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम 6 बजे गांव के ही युवक ने उसे बात करने के बहाने बुलाया। इसके बाद कार में बैठाकर ले गया। गाड़ी में उसके दो साथी पहले से थे। तीनों करीब 5 घंटे तक उसे अलग-अलग रास्तों पर घुमाते रहे। युवकों ने रास्ते में उसे जबरन शराब पिलाई। इसके बाद दो युवकों ने उसके साथ गैंगरेप किया। तीनों आरोपी रात 11 बजे छात्रा को रेलवे स्टेशन पर छोड़कर भाग गए। छात्रा ने किसी तरह घरवालों को फोन करके घटना की जानकारी दी। इसके बाद घरवाले बेटी को लेकर सदर कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने शिकायत पर दो नामजद समेत तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार

कर लिया है। तीसरे आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम करीब 6 बजे वह घर के बाहर दुकान पर बैठी थी। तभी गांव का ही बादल राजा वहां पहुंचा। उसने कहा कि कुछ जरूरी बात करनी है। छात्रा ने बात पूछी तो आरोपी ने कार में बैठकर आराम से बताने को कहा। परिचित होने के कारण वह उसके साथ चली गई। बादल राजा कार को हाईवे से बिरधा होते हुए जाखलौन कस्बे के आगे बंदरगुड़ा और पंप कैनाल मार्ग की ओर ले गया। इस बीच बादल राजा और उसके साथी सुरेंद्र सेन ने उसे जबरन शराब पिलाई और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान तीसरा युवक लगातार कार चलाता रहा। पीड़िता के मुताबिक, तीनों आरोपी उसे शाम करीब 6 बजे घर से लेकर गए। वे करीब पांच घंटे तक अलग-अलग रास्तों पर घुमाते रहे। रात 11 बजे के बाद उसे घर से 15 किमी दूर ललितपुर रेलवे स्टेशन के पास छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह उसने अपने मोबाइल से बहन को फोन कर पूरी घटना बताई। इसके बाद रात करीब 12 बजे उसके माता-पिता रेलवे स्टेशन पहुंचे। उसे अपने साथ लेकर कोतवाली पहुंचे। पीड़िता की मां ने बताया कि वह मंगलवार शाम ललितपुर से घर लौटीं तो बेटी घर पर नहीं दिखी। पड़ोसियों ने बताया कि गांव का रहने वाला बादल राजा उसे अपने साथ कार में ले गया है। देर रात 11 बजे के बाद बेटी का फोन उसकी बहन के मोबाइल पर आया, तब घटना की जानकारी मिली।

सम्मेलन : कृष्ण भक्त हैं तो मथुरा में ईदगाह हटाकर दिखाए, रामलला जैसा बनेगा बाबा विश्वनाथ मंदिर

अखिलेश बहुत टिपिर-टिपिर करते हैं : केशव

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में गुरुवार को आयोजित पंच सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने के साथ-साथ ज्ञानवापी और मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद पर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बन चुका है, अब मंदिर के बगल में मौजूद ढांचे का मामला अदालत में है। यदि सत्य हमारे पक्ष में है तो फैसला भी हमारे पक्ष में आएगा। बाबा विश्वनाथ का मंदिर भी रामलला मंदिर की तरह भव्य बनेगा। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख पर भी निशाना साधते हुए कहा- अखिलेश यादव राम भक्त बनने का दिखावा कर रहे है, तो कृष्ण भक्त बनने का

उन्हें दिखावा नहीं करना है। अगर मुस्लिम वोट का मोह नहीं तो अखिलेश यादव कहे कि कृष्ण मंदिर को तोड़कर जो ईदगाह बना है उससे हटाओ। तब जाकर हम मानेंगे कि वो दिखावा नहीं करते। ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से आयोजित सम्मेलन में चार राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड के सैकड़ों ग्राम प्रधान शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान, डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सम्मेलन में ग्राम पंचायतों की संस्थागत क्षमता, पारदर्शिता, जवाबदेही और नए ग्रामीण विकास कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

अखिलेश यादव मथुरा की ईदगाह को हटाएं, तब हम मानेंगे

डिप्टी सीएम ने कहा- मथुरा मंदिर के बगल में एक ईदगाह बना रखा है उस पर भी काम जारी है। अखिलेश यादव आजकल बहुत टिपिर-टिपिर करते हैं। वो राम भक्त बनने का दिखावा कर रहे है, तो कृष्ण भक्त बनने का उन्हें दिखावा नहीं करना है। अगर मुस्लिम वोट का मोह नहीं तो अखिलेश यादव कहे कि कृष्ण मंदिर को तोड़कर जो ईदगाह बना है उससे हटाओ। तब जाकर हम मानेंगे कि वो दिखावा नहीं करते। हमारी सरकार सभी जगह मंदिरों को बेहतर बनाने का, उनको सुंदर बनाने का काम कर रही है। हमें भरोसा है, देश को आप सबको भी भरोसा है।

> उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्राम प्रधान इस मिशन के सबसे महत्वपूर्ण साझेदार हैं। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन आधारित उपस्थिति प्रणाली सहित डिजिटल तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो, भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े पर रोक लगे तथा वास्तविक श्रमिकों को सीधे योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने 'विकसित ग्राम से विकसित भारत' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि नया कानून ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बेटे ने पिता की 6 गोलियां मारकर हत्या की

150 करोड़ की प्रॉपर्टी चाहता था, मां लाश देख चीखी, कहा- तूने घर उजाड़ दिया

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 150 करोड़ की प्रॉपर्टी के विवाद में बेटे ने पिता की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात 12 बजे बेटे ने पिस्टल से पिता के चेहरे, सीने और पेट में 6 गोलियां मारीं। बेटा शराब पीकर घर आया था। पिता ने उसे डांट दिया। इसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया। पति का शव देखकर मां चीख पड़ी। बेटे से कहा- तूने पूरा घर उजाड़ दिया। वहीं, गोलियों की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बेटा भाग चुका था। आरोपी बेटा निखिल (32) प्रॉपर्टी अपने नाम कराने के लिए पिता हरिओम चौधरी (52) पर दबाव बना रहा था। हरिओम इसके लिए तैयार नहीं थे।

उनका कहना था कि बेटा जमीन बेचकर शराब पी जाएगा। रात को भी जब पिता ने डांटा, तो झगड़ा बढ़ा और निखिल ने पिता की हत्या कर दी। आरोपी बेटे की तलाश में पुलिस की 4 टीमें लगाई गई हैं। घटना मोदीनगर थाना क्षेत्र की है। करीब 8 साल पहले निखिल ने अपने छोटे भाई नीशू को भी गोली मारी थी, लेकिन उसकी जान बच गई थी। लेकिन, निखिल इतना गर्म-मिजाज था कि मां और छोटा भाई निशू भी उसको पलटकर जवाब नहीं देते थे। साल- 2018 में मां के डांटने पर जब निखिल का निशू से झगड़ा हुआ था, तो उसने भाई पर गोली चला दी थी।

25 बीघा जमीन बेटे के नाम थी, पूरी प्रॉपर्टी लेना चाहता था

हरिओम बुदाना गांव के रहने वाले थे। वह संपन्न किसान थे। मोदीनगर में उनके नाम पर 75 बीघा जमीन और दिल्ली-मेरठ रोड पर जीवन अस्पताल के सामने एक मार्केट है। उनकी कुल संपत्ति करीब 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है। परिवार में पत्नी मीनाक्षी, बड़ा बेटा निखिल और छोटा बेटा नीशू हैं। दोनों बेटों की शादी नहीं हुई है। एसीपी वर्मा ने बताया कि बड़ा बेटा निखिल 12 वीं तक पढ़ा है। शराब पीने का आदी है। इसी वजह से पिता से उसका अक्सर झगड़ा होता रहता था। उन्होंने निखिल को मार्केट में दुकानें और 25 बीघा जमीन दे रखी थी। लेकिन, वह पूरी प्रॉपर्टी अपने नाम कराना चाहता था।

> पड़ोसियों ने बताया कि निखिल की लाइफस्टाइल शाही रही है। वह बुलेट से चलता था। अक्सर अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाता था। यह बात मां मीनाक्षी और पिता हरिओम को पसंद नहीं थी। उन्हें लगता था कि घर की खेती की जितनी कमाई है, वह सब बेटा पार्टी में उड़ा रहा है।

पिता से पहले हाथापाई की, फिर गोली मारी

एसीपी ने बताया- बुधवार रात हरिओम चौधरी ने पत्नी और छोटे बेटे के साथ खाना खाया। उस समय बड़ा बेटा निखिल घर पर नहीं था। वह देर रात शराब पीकर घर पहुंचा। पिता ने शराब पीकर आने पर उसे डांट दिया। इस पर निखिल ने पिस्टल निकाल ली और पिता से गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। शोर सुनकर हरिओम की पत्नी मीनाक्षी और छोटा बेटा नीशू भी वहां पहुंच गए। इसी दौरान हाथापाई हुई और निखिल ने पिता पर ताबड़तोड़ 6 गोलियां चला दीं। गोली लगते ही हरिओम फर्श पर गिर पड़े। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

यह हरिओम चौधरी का घर है। इसी मकान में बेटे ने उनकी हत्या की। घर के बाहर काफी बड़ा लॉन है।

घरवाले हरिओम चौधरी को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मासूम का शव गोद में लेकर बिलखते रहे पिता

मथुरा में स्कूल बस से कुचलकर 7 साल के बच्चे की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में गुरुवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे स्कूल बस के पहिए के नीचे कुचलकर 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। स्कूल पहुंचने के बाद मासूम बस से उतर ही रहा था कि चालक ने बस आगे बढ़ा दी। इससे वह पहिए के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। पिता बेटे का शव गोद में लेकर बिलखने लगे। खून से लथपथ मासूम का शव देखकर परिजनों और गांववालों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने स्कूल परिसर में तोड़फोड़ कर जमकर हंगामा किया। इसके बाद वे बच्चे का शव लेकर गोवर्धन रोड पहुंचे और सड़क जाम कर दी। प्रदर्शनकारी आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया,

लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश की तो ग्रामीणों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। फिलहाल परिजन सड़क पर बैठे हैं और पुलिस उन्हें शांत कराने का प्रयास कर रही है। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। घटना जैंत थाना क्षेत्र की है। पेलखू गांव के रहने वाले गंगदेव के 7 साल का बेटा नितिन, राल गांव के तिलक सिंह इंटर कॉलेज में क्लास-2 में पढ़ता था। रोज की तरह गुरुवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे वह बस से स्कूल पहुंचा था।

फास्ट न्यूज

राजकीय आईटीआई में भूजल सप्ताह शुरू

इटावा। इटावा के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में गुरुवार को उत्तर प्रदेश भूजल सप्ताह का शुभारंभ किया गया। 16 से 22 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान के पहले दिन प्रशिक्षुओं को भूजल संरक्षण तथा पानी के अत्यधिक दोहन से बचने की शपथ दिलाई गई। इसका नहीं है कोई विकल्प रखी गई है। संस्थान के प्रधानाचार्य अवधेश सिंह ने कहा कि बढ़ते जल संकट को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को जल संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी बनाना होगा।

9 अगस्त को प्रस्तावित कार सेवा स्थगित

मथुरा। मथुरा के शाही ईदगाह पर 9 अगस्त को प्रस्तावित 'कार सेवा' के एलान के बाद पुलिस-प्रशासन ने एहतियाती कार्रवाई की है। चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज को गुरुवार को उनके आश्रम में नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें नोटिस भी सौंपा। इसके बाद स्वामी सच्चिदानंद ने 9 अगस्त को प्रस्तावित कार सेवा को फिलहाल स्थगित करने की घोषणा कर दी। सूत्रों के अनुसार, स्वामी सच्चिदानंद महाराज अयोध्या जाने की तैयारी में थे। इससे पहले ही पुलिस ने उनके आश्रम की घेराबंदी कर उन्हें बाहर जाने से रोक दिया।

थुरा की 29 सोसायटियों में एलपीजी कनेक्शन सरेंडर होंगे

मथुरा। मथुरा और वृंदावन की लगभग 29 आवासीय सोसायटियों में रहने वाले परिवारों को अपने घरेलू एलपीजी गैस कनेक्शन सरेंडर करने होंगे। जिन प्रमुख आवासीय क्षेत्रों में यह व्यवस्था लागू होगी, उनमें राधा पुरम, राधा वैली, पुष्पांजलि उपवन, बैकुंठ बिहार, केशव कुंज, अशोका सिटी और कृष्णा ऑर्चर्ड सहित कुल 29 सोसायटियां शामिल हैं।

मथुरा पुलिस ने साइबर ठगी गिरोह के सदस्य को दबोचा

1.25 लाख नकद व 23 एटीएम कार्ड बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1.25 लाख रुपये नकद, 23 विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई की रात करीब 11:05 बजे बीएसएस पुलिया के पास से जसमीर सिंह (33 वर्ष) निवासी कुरकैन, थाना नगर, जिला डींग (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध थाना कोतवाली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने दो साथियों हारिस और जाहुल के साथ

मिलकर साइबर ठगी का संगठित नेटवर्क चलाता था। गिरोह पहले लोगों के खातों में साइबर अपराध से प्राप्त धनराशि ट्रांसफर कराता था। इसके बाद व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से निर्देश मिलने पर जसमीर अलग-अलग एटीएम कार्डों का उपयोग कर विभिन्न एटीएम से नकदी निकालता था। निकाली गई रकम में से अपना हिस्सा रखने के बाद शेष धनराशि साथियों को सौंप देता था।

सांसद अरुण गोविल बोले- प्रतिभा, संस्कार और अनुशासन ही उज्ज्वल भविष्य की पहचान

एमआईईटी पब्लिक स्कूल में मेधा का सम्मान, 13.34 लाख रुपये की छात्रवृत्ति वितरित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मवाना रोड स्थित एमआईईटी पब्लिक स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से छात्रवृत्ति वितरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेरठ-हापुड़ लोकसभा सांसद अरुण गोविल, स्कूल चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, स्कूल मैनेजर बरखा अग्रवाल तथा प्रधानाचार्या रूपाली सहगल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में सांसद अरुण गोविल ने कहा कि प्रतिभा का सम्मान समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन तक सीमित न

रहकर नैतिक मूल्यों, अनुशासन और निरंतर सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेलकूद को भी आवश्यक बताते हुए विद्यार्थियों को रामायण पढ़ने और जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के चेक प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की ओर से कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 23 विद्यार्थियों को 11वीं एवं 12वीं की फीस में विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस वर्ष विद्यालय ने कुल 13 लाख 34 हजार रुपये की छात्रवृत्ति वितरित कर मेधावी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान किया। समारोह में कक्षा 10वीं के 10 तथा कक्षा 12वीं के 6 ऐसे विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने विभिन्न विषयों में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में कक्षा 10वीं के प्रथम स्थान पर स्वर्थ सत्संगी, द्वितीय स्थान पर ईशान कुमार दक्ष तथा तृतीय स्थान पर आदित्य देव को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। वहीं कक्षा 12वीं में विज्ञान संकाय के टॉपर यथार्थ सिंह, मानविकी की टॉपर दिव्यांशी खरी तथा कॉमर्स के टॉपर कुशाग गोयल को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय ने केवल बोर्ड परीक्षाओं के मेधावियों ही नहीं, बल्कि कक्षा 1 से 9 तक प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। साथ ही एमआईईटी ओलंपियाड के आठ विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ओलंपियाड के प्रश्नपत्र आईआईटी के विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा तैयार किए गए थे।

दिल्ली में हुई थी प्रतियोगिता, बाहुबली के पास है 200 हथियारों का जखीरा

राजा भैया का अचूक निशाना, चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। बाहुबली विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने 49वीं यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है। उन्होंने एस-25 क्ले पिजन ट्रैप शूटिंग (एनआर) में 25 पॉइंट का स्कोर बनाया। नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 21 से 30 जून तक चैंपियनशिप आयोजित हुई थी। राजा भैया ने प्रतियोगी संख्या 71 के रूप में भाग लिया था। बुधवार को इसका परिणाम घोषित हुआ। उनकी शूटिंग का वीडियो भी सामने आया है। इसमें वह निशाना लगाते दिख रहे हैं। राजा भैया हथियारों के शौकीन हैं। पिछले साल दशहरे के मौके पर उन्होंने अपने 200 से ज्यादा हथियारों के जखीरे को दिखाया था। राजा भैया प्रतापगढ़

की कुंडा सीट से 7वीं बार विधायक हैं। उन्होंने अपनी पार्टी जनसत्ता दल बनाई है। जिसके वे राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। हर साल दशहरे के मौके पर राजा भैया अपने शस्त्रागार में रखे हथियारों की पूजा करते हैं। पिछले साल दशहरे पर उनके शस्त्र पूजन का वीडियो भी सामने आया था। इसमें टेबल पर 200 से ज्यादा देशी-विदेशी हथियार सजे दिखाई दिए थे। इनमें पिस्टल, रिवॉल्वर, 12 बोर की बंदूक, राइफल और थर्टी कार्बाइन शामिल थीं।

राइफल एसोसिएशन के लाइफ टाइम मेंबर हैं राजा भैया

राजा भैया नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) के लाइफ-टाइम मेंबर हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता उदय प्रताप सिंह भी शूटर रहे हैं। उन्हीं से प्रेरित होकर शूटिंग शुरू की। हर साल दशहरे के मौके पर राजा भैया अपने शस्त्रागार में रखे हथियारों की पूजा करते हैं। पिछले साल दशहरे पर उनके शस्त्र पूजन का वीडियो भी सामने आया था। इसमें टेबल पर 200 से ज्यादा देशी-विदेशी हथियार सजे दिखाई दिए थे। इनमें पिस्टल, रिवॉल्वर, 12 बोर की बंदूक, राइफल और थर्टी कार्बाइन शामिल थीं। शस्त्र पूजन के दौरान राजा भैया ने कहा था- ये सभी शस्त्र हमारे हैं।

तस्वीर पिछले साल की है। दशहरे के मौके पर राज भैया ने अपने शस्त्रों की पूजा की थी।

पत्नी भानवी सिंह से चल रहा तलाक का केस

राजा भैया का पत्नी भानवी से तलाक का केस चल रहा है। भानवी पिछले कई सालों से पति से अलग दिल्ली में रह रही हैं। नवंबर, 2022 में उन्होंने दिल्ली के साकेत कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर की थी। भानवी ने राजा भैया पर मारपीट और अवैध संबंध का आरोप लगाया था। 3 जून 2025 को पत्नी भानवी ने पीएमओ को पत्र देकर आरोप लगाया था कि राजा भैया के पास अवैध विदेशी हथियारों का जखीरा है। इसके बाद 18 सितंबर, 2025 को भानवी ने सोशल मीडिया पर हथियारों का वीडियो जारी किया था। उनका दावा था कि इसमें कुछ ऐसे हथियार हैं, जिनसे मास डिस्ट्रक्शन हो सकता है। मतलब- हमले में तमाम लोग मारे जा सकते हैं।

विदेशी ने युवक को दौड़ाकर दांत से काटा

हंगामा करते हुए घर में घुसा, पुलिस से चिल्लाकर बोला- गो बैक

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार सुबह 10 बजे एक विदेशी युवक ने सप्तसागर दवा मंडी इलाके में जमकर हंगामा किया। वह दौड़ता हुआ एक मकान में घुस गया। वहां मौजूद लोगों को परेशान करने लगा। काफी देर तक समझाने के बावजूद वह नहीं माना। इस दौरान विदेशी ने एक युवक के हाथ में दांत से काट लिया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ भी विदेशी युवक ने अभद्र व्यवहार किया। वह पुलिसकर्मियों को ₹गो बैक₹ कहकर चिल्लाने लगा। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने मिलकर युवक की पिटाई कर दी। पुलिस ने विदेशी युवक को पकड़कर कबीरचौरा मंडलीय चिकित्सालय में भर्ती कराया है। सप्तसागर दवा मंडी में रहने वाले दीपू ने बताया- मंडी में एक विदेशी हंगाम कर रहा था और

लोगों को दौड़ा रहा था। अचानक वह मेरे पांच मंजिला मकान में घुसकर सीढ़ी चढ़ने लगा। हमने मना किया तो हिंदी में बोला हट जाओ-हट जाओ और ऊपर चढ़ गया। वहां से सामान फेकने लगा। हमने पुलिस बुलाई पर पुलिस को आने में एक घंटा लग गया, तब तक वह उत्पात मचाता रहा और इस दौरान उसने मेरे हाथ में दांत काट लिया। पुलिस ने उसे उतारने की कोशिश की पर वह नहीं उतरा तो मोहल्ले के लोग आगे आए और उसे नीचे उतारने लगे, जिसपर धक्का मुक्की और मारपीट शुरू हो गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

जगन्नाथ रथयात्रा ...

भगदड़ में होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण 'कंप्रेसिव एस्फेसिया' होता है। इसमें इंसान जमीन पर नहीं गिरता, बल्कि खड़े-खड़े ही भीड़ के दबाव से उसकी छाती इतनी दब जाती है कि वह सांस नहीं ले पाता। ऑक्सीजन न मिलने से ब्रेन डेड हो जाता है। रथयात्रा के लिए भगवान बलभद्र के रथ तालध्वज पर घोड़े बांध दिए गए हैं। इस रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट है, इसमें 14 पहिए लगते हैं। रथ का रंग लाल और हरा है। इनके सारथी का नाम मातलि है। भगवान बलभद्र के रथ पर काले घोड़े लगाए जाते हैं, इनका नाम तीव्र, घोर, दीर्घश्रम और स्वर्णनाभ है। देवी सुभद्रा के रथ में लाल घोड़े लगाए जाते हैं, इन घोड़ों के नाम रोचिका, मोचिका, जीता, और अपराजिता हैं। भगवान जगन्नाथ के रथ पर लगने वाले घोड़ों का नाम शंख, बलाहक, श्वेत और हरिदाश्व है। दिव्यसिंह देव ने तीनों रथों पर झाड़ू लगाई। इसके बाद रथों में रस्सी लगाने का काम शुरू हो गया है। थोड़ी में रथयात्रा शुरू होगी। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 'छेरा पहंरा' रस्म निभाई, 55वीं इस्कॉन रथ यात्रा की शुरुआत के लिए रथ की रस्सी खींची। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कोलकाता में रथयात्रा की शुरुआत की। उन्होंने पवित्र 'छेरा पहरा' रस्म निभाई और भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्म वाली रस्सी खींची। पुरी में सुरक्षा के कई लेयर वाले इंतजाम किए गए हैं और इस उत्सव के लिए 19 IPS अधिकारियों के साथ लगभग 13,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा, सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए अहम जगहों पर सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF) की 15 कंपनियों को तैनात किया गया है, जिनमें CRPF, BSF, RAF और नेशनल सिक्योरिटी फोर्स शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुल 473 AI-पावर्ड CCTV कैमरे, जो ड्रोन-जैमिंग सिस्टम से जुड़े हैं, दो कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटरों के जरिए ग्रैंड रोड और आस-पास के इलाकों पर नजर रख रहे हैं। भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और ओडिशा पुलिस मैरीटाइम स्टेशन की संयुक्त पेट्रोलिंग व्यवस्था भी शुरू की गई है और क्विक रिस्पॉन्स टीमें तैनात की गई हैं। अधिकारियों ने आगे बताया कि आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और डूबने की किसी भी संभावित घटना को रोकने के लिए समुद्र तट पर 500 से ज्यादा लाइफगार्ड और फायर सर्विस कर्मियों को तैनात किया गया है।

वांगचुक के अनशन ...

वांगचुक NEET पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 19 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनका वजन 8.9kg तक गिर गया है। उधर, AAP नेता अरविंद केजरीवाल गुरुवार को सोनम वांगचुक से मिलने पहुंचे। युवाओं को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मेरा प्रधानमंत्री को एक सुझाव और प्रस्ताव है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से हटाया जाना चाहिए और सोनम वांगचुक को देश का नया केंद्रीय शिक्षा मंत्री बनाना चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) नीट पेपर लीक के विरोध में 20 जून से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वांगचुक भी उनके आंदोलन में शामिल हैं। CJP चीफ जस्टिस सूर्यकांत के बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से करने के बाद बनी थी। CJP ने आरोप लगाया कि छात्रों के लिए आवाज उठाने वाले वांगचुक को सरकार की ओर से सिर्फ खामोशी मिली है। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि सरकार जवाबदेही से बच रही है और उसका रवैया क्रूर है। वांगचुक इससे पहले लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर 170 दिन तक जोधपुर जेल में रहे। उन पर आरोप था कि अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। सरकार ने हिंसा भड़काने का आरोप वांगचुक पर लगाया। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेज दिया गया। देश में पहले भी कई नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर लंबी भूख हड़ताल कर चुके हैं। महात्मा गांधी से लेकर जी.डी. अग्रवाल तक कई लोगों ने अनशन का सहारा लिया। सबसे लंबी भूख हड़ताल का रिकॉर्ड इरोम शर्मिला के नाम है। इरोम शर्मिला ने मणिपुर से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (AFSPA) हटाने की मांग को लेकर करीब 16 साल (2000-2016) तक भूख हड़ताल की थी। इस दौरान उन्हें जीवित रखने के लिए नाक के जरिए तरल आहार (फोर्स-फीडिंग) दिया जाता था।

ई-20 पेट्रोल डालने ...

डॉ. प्रेमराज देबता ने बताया कि उन्होंने जून 2024 में मारुति सुजुकी की नेक्सा डीलरशिप से ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड जेटा प्लस खरीदी थी। खरीदारी के समय डीलर ने बताया था कि कार दिसंबर 2023 में मैन्युफैक्चर हुई है, लेकिन बाद में आयोग के रिकॉर्ड से पता चला कि कार जनवरी 2023 में मैन्युफैक्चर हुई थी। डॉ. प्रेमराज रोजाना 150 से 200 किलोमीटर तक सफर करते हैं, इसलिए उन्होंने हाइब्रिड गाड़ी ली थी। शुरुआत में वाहन ठीक चला, लेकिन 5 महीने बाद 11 नवंबर 2024 को अचानक डैशबोर्ड पर इंजन मालफंक्शन का अलर्ट आया और कार बंद हो गई। डीलरशिप ने जांच के बाद इसे मिलावटी पेट्रोल की समस्या बताते हुए फ्यूल टैंक खाली कराया। निकाले गए पेट्रोल में नीचे अलग तरह का सफेद पदार्थ जमा मिला, जिसके बाद डॉ. देबता ने तुरंत पेट्रोल पंप और कंपनी से शिकायत की, लेकिन जांच में पेट्रोल पंप ने ईंधन को सही बताया। इसके बावजूद कार बार-बार खराब होती रही।

बंगाल की खाड़ी में ...

ये लोग म्यांमार की सेना की हिंसा से बचकर वहां पहुंचे थे। हाल के वर्षों में अमेरिका और अन्य देशों की विदेशी सहायता में कटौती के कारण इन शिविरों में खाद्य राशन भी कम कर दिया गया है। रोहिंग्या शरणार्थियों के पास सुरक्षित तरीके से म्यांमार लौटने का कोई रास्ता नहीं है। 2017 में म्यांमार की सेना पर रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा करने के आरोप लगे थे, जिसे कई देशों ने नरसंहार (जेनोसाइड) माना है। जो रोहिंग्या अब भी म्यांमार में रह रहे हैं, उन्हें कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से कई लोग नजरबंदी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। आमतौर पर रोहिंग्या इस मौसम में समुद्र के रास्ते यात्रा करने से बचते हैं, क्योंकि मानसून के दौरान समुद्र बेहद खतरनाक हो जाता है। हालांकि म्यांमार में हिंसा और बांग्लादेश के भीड़भाड़ वाले शरणार्थी शिविरों में खराब हालात के कारण रोहिंग्या समुदाय के लोग वर्षों से जर्जर लकड़ी की नावों में बैठकर मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों तक पहुंचने की कोशिश करते रहे हैं। खराब परिस्थितियों के कारण बड़ी संख्या में रोहिंग्या लोग जर्जर नावों के जरिए मलेशिया पहुंचने की कोशिश करते हैं। इस दौरान हजारों लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें नवजात बच्चे, बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं।

9वीं में तीसरी भाषा ...

आगे उन्होंने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बताते हुए कहा कि जब मैं स्कूल में थी तब 8वीं के बच्चों को 10वीं की चीजें पढ़ाई जाती थीं। उस वक्त ऐसी हालत थी तो आप समझ सकते हैं आज बच्चों पर कितना बोझ होगा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के नवोदय विद्यालय शुरू करने के आदेश पर तमिलनाडु सरकार से कहा कि आपके यहां नवोदय विद्यालय होने चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि केंद्र सरकार इसका पूरा खर्च उठाएगी, आपको सिर्फ जमीन उपलब्ध करानी है। यह रवैया न रखिए। लेकिन तमिलनाडु सरकार के अनुरोध के बाद अदालत ने मामले को स्थगित कर दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को CBSE की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

मेसी ने 2 गोल असिस्ट किए, 'फॉकलैंड बैनर' लहराने पर विवाद, दोनों देश इस द्वीप के लिए लड़ चुके

अर्जेंटीना फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

मुकाबला

अटलांटा, एजेंसी

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार रात को दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा।

अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया।

जीत के बाद मैदान पर बैनर लहराते अर्जेंटीना के खिलाड़ी।

मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फिर इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर जीत दिला दी। जीत के बाद अर्जेंटीना के प्लेयर्स ने मैदान पर 'Las Malvinas son Argentinas' (फॉकलैंड/माल्विनास अर्जेंटीना के हैं) लिखा हुआ बैनर लहराया था।

पहला हाफ- फुटबॉल कम, लड़ाई ज्यादा

मैच की शुरुआत से ही यह साफ हो गया था कि मुकाबला सिर्फ फुटबॉल का नहीं है। तीसरे ही मिनट में इंग्लैंड के इलियट एंडरसन पर टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। रेफरी इस्माइल एलफाथ को बीच-बचाव करना पड़ा। पूरे पहले हाफ में कई बार खिलाड़ी भिड़े और फाउल की भरमार रही।

मेसी के पास ने पलटा मैच, लॉटारो ने तोड़ा इंग्लैंड का सपना

गोल खाने के बाद अर्जेंटीना ने अटैकिंग गेम खेलना शुरू कर दिया। टीम को 86वें मिनट में कॉर्नर मिला। लियोनेल मेसी ने शॉर्ट कॉर्नर खेलकर गेंद एंजो फर्नांडेज को दी। फर्नांडेज ने करीब 25 गज की दूरी से शॉट लगाया। गेंद खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए सीधे नेट में जा समाई। इस गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया।

अर्जेंटीना 7वीं बार फाइनल में पहुंचा है

यह अर्जेंटीना का 7वां वर्ल्ड कप फाइनल होगा। टीम इससे पहले 1930, 1978, 1986, 1990, 2014 और 2022 में फाइनल खेल चुकी है। अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व कप जीत चुकी है। अब उसके पास लगातार दूसरी बार और कुल चौथा खिताब जीतने का मौका है।

लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में स्कालोनी

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाले इतिहास के 7वें कोच बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ विटोरियो पोजो, हेल्मुट शॉन, मारियो जगालो, कार्लोस बिलार्डो, फ्रांज बेकेनबाउर और डिडिएर डेशां ने हासिल की थी। 2022 में चैंपियन बनने के बाद अर्जेंटीना ने 2026 में भी फाइनल में जगह बना ली। टीम इतिहास में पहली बार लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल खेलेगी।

> फॉकलैंड अटलांटिक महासागर में स्थित एक द्वीप है, जिस पर दोनों देश अपना दावा करते हैं। 2 अप्रैल 1982 को अर्जेंटीना ने फॉकलैंड पर कब्जा कर लिया। फिर ब्रिटेन ने 74 दिन चले युद्ध के बाद द्वीपों पर दोबारा कब्जा हासिल कर लिया। 1816 में स्पेन से आजाद होने के बाद फॉकलैंड अर्जेंटीना का था।

दूसरे हाफ की शुरुआत में इंग्लैंड का गोल

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने तेज शुरुआत की। जूलियन अल्वारेज ने 48वें मिनट में पहला ऑन-टारगेट शॉट लगाया, जिसे जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार तरीके से रोक दिया। 55वें मिनट में मैच का पहला गोल इंग्लैंड ने किया।

हैरी केन के लंबे पास पर अर्जेंटीना का डिफेंस पूरी तरह क्लियरेंस नहीं कर सका। डेक्लन राइस ने गेंद मॉर्गन रोजर्स को दी। रोजर्स ने दाईं ओर से सटीक क्रॉस डाला, जिस पर एंथनी गॉर्डन ने बॉक्स से आसान फिनिश किया। यह टूर्नामेंट में गॉर्डन का पहला गोल था और इंग्लैंड 1-0 से आगे हो गया।

सिंधु जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

मेजर लीग में पूरन का 31 गेंद में शतक, विंडीज की महिला टीम ने क्लीन स्वीप किया

नई दिल्ली, एजेंसी

दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने दूसरे दौर में दुनिया की नंबर-5 खिलाड़ी चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराया। इस जीत के साथ सिंधु ने हान यू के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा से होगा, जिन्हें दूसरे दौर में वॉकओवर मिला। लीग के एक अन्य मुकाबले में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को 7 रन से हराकर पहली बार मेजर

लीग क्रिकेट (MLC) के फाइनल में प्रवेश किया है। फाइनल मैच 19 जुलाई को ऑकलैंड में खेला जाएगा। नाइट राइडर्स ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स 20 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। नाइट राइडर्स की ओर से कॉलिन मुनरो (44 गेंदों पर 51) और आंद्रे रसेल (50 गेंदों पर नाबाद 62) ने पारी संभाली।

मेजर लीग में पूरन का 31 गेंद में शतक

वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने मेजर क्रिकेट लीग में 31 गेंद में शतक लगा दिया है। उन्होंने गुरुवार को MI न्यूयॉर्क की ओर से वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 5 चौके और 13 छक्कों से सजी पारी खेली। उनकी पारी के दम पर न्यूयॉर्क ने वॉशिंगटन को 266 रन का टारगेट दिया है। जवाब में फ्रीडम ने 7 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बना डाले हैं।

वनडे में सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 से, टी-20 में सुपर-10 से तय होंगे, क्वालिफिकेशन का सिस्टम भी बदला

वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप नए फॉर्मेट में होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

2027 का वनडे वर्ल्ड कप और 2028 का टी-20 वर्ल्डकप नए फॉर्मेट में होगा। वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमों के साथ नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट लागू होगा, जिसमें सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 राउंड से चुने जाएंगे। अब तक यह सुपर-6 से चुने जाते थे। वहीं, टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 की जगह सुपर-10 स्टेज खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दो नए एलिमिनेटर मुकाबले भी जोड़े गए हैं।

ICC ने बुधवार को नए फॉर्मेट में बदलावों को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए नया क्वालिफिकेशन स्ट्रक्चर बनाया गया है। इनका ऐलान

ऑस्ट्रेलिया ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत को हराकर छठी बार खिताब जीता था।

एडिनबर्ग में हुई ICC की सालाना बैठक (AGM) के बाद किया गया। पुराने फॉर्मेट में 7-7 टीमों के दो ग्रुप होते थे, जिनमें कुल 42 मैच खेले जाते थे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें सुपर सिक्स में पहुंचती थीं। सुपर सिक्स में 3-3 टीमों के दो ग्रुप बनते थे, जहां कुल 9 मैच खेले जाते थे।

फरवरी-मार्च में हुए टी-20 वर्ल्डकप में भारत चैंपियन बना था। भारत अब तक 3 टी-20 वर्ल्डकप जीत चुका है।

वनडे वर्ल्डकप में 14 टीमें ही हिस्सा लेंगी

वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमें ही खेलेंगी, लेकिन फॉर्मेट को थ्री-स्टेज में बदल दिया गया है। नए फॉर्मेट में सबसे पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी। इसमें रैंकिंग की आखिरी तीन टीमें (12, 13 और 14) राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में आमने-सामने होंगी और एक टीम दूसरे राउंड में पहुंचेगी।

दूसरे राउंड में 12 टीमें ही होंगी। 6-6 टीमों के दो ग्रुप होंगे, जिनमें कुल 30 मैच खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें और दोनों ग्रुप को मिलाकर एक बेस्ट (सातवीं) टीम तीसरे राउंड यानी सुपर-7 में पहुंचेगी।

2027 वनडे वर्ल्ड कप में ऐसे तय होंगी 14 टीमें

2027 वनडे वर्ल्ड कप में कुल 14 टीमें खेलेंगी। इनमें दो मेजबान (साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे), रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वालिफाई करने वाली टॉप-8 टीमें और वर्ल्ड कप क्वालिफायर से आने वाली टीमें शामिल होंगी। तीसरे होस्ट नामीबिया को भी क्वालीफायर खेलना होगा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले इन 14 टीमों में सबसे निचली रैंक वाली तीन टीमें (12वीं, 13वीं और 14वीं) राउंड-1 खेलेंगी, जिसमें सिर्फ एक टीम अगले दौर में पहुंचेगी।

मनोरंजन

दावा- छोटे कपड़े पहने देख सलमान ने मारा, पहली फिल्म में गुलशन ग्रोवर को किस किया, विक्की ने सलमान के सामने प्रपोज किया, जवाब- हिम्मत नहीं

43 की हुईं कटरीना

नई दिल्ली। साल 2000 के आसपास की बात है। करीब 18 साल की कटरीना कैफ को अनुराग बासु के निर्देशन में बन रही फिल्म साया मिली, जिसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। ये उनकी पहली बतौर लीड बॉलीवुड फिल्म होती। एक रात उन्हें शूटिंग पर बुलाया गया। न डायलॉग था, न एक्सप्रेशन, बस डमी पासिंग शॉट देना था। अगले दिन फिर उन्हें बुलाया गया, एक सीन शूट किया गया और तुरंत पैकअप हो गया। कुछ देर बाद वहां मौजूद प्रोड्यूसर महेश भट्ट ने कहा कि इस लड़की को फिल्म से हटा दो। टीम ने जब ये बात उन्हें बताई, वो रो पड़ीं। वो बिलखते हुए सेट से निकलीं। उन्हें लगा कि उनका करियर यहीं खत्म हो गया और वे कभी एक्टिंग नहीं कर पाएंगी।

कटरीना के लिए ये रिजेक्शन झेलना मुश्किल था। हॉन्गकॉन्ग में जन्मीं कटरीना ने महज 14 की उम्र से मॉडलिंग करना शुरू किया। एक एशियन दोस्त के कहने पर वो भारत घूमने आईं, जहां उन्हें फिल्म बूम (2003) में काम मिल गया। इस फिल्म के बाद उन्हें कई ऑफर मिले थे, जिसके बाद उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस बनने का सपना देखा था।

सेट से भगाए जाने के बाद शाम को सलमान खान मिले, तो कटरीना उनके सामने भी रो पड़ीं। ये देखकर सलमान हंसने लगे। कटरीना चिढ़कर बोलीं- मुझे मेरी पहली फिल्म से निकाला गया, मेरी जिंदगी खत्म हो गई और तुम हंस रहे हो। सलमान ने जोर से हंसते हुए कहा- इससे कुछ नहीं होगा, मैं जानता हूं कि तुम बहुत आगे जाने वाली हो। ये सब होगा, मेरे पास अभी जवाब नहीं है, लेकिन तुम देखोगी कि तुम कितना आगे जाओगी। उस रोज सलमान की कही हुई बात वाकई सच हुई। जिस फिल्म साया से कटरीना को निकाला गया वो फ्लॉप हो गई और 2005 में कटरीना की एक नहीं बल्कि दो बड़ी फिल्में रिलीज

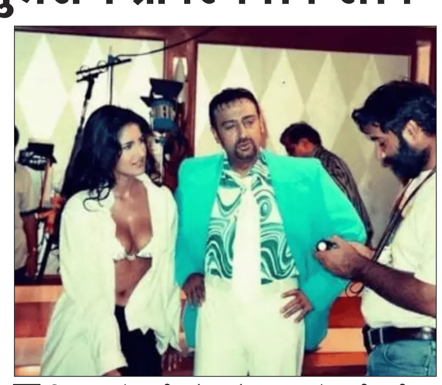

फिल्म बूम से कटरीना कैफ और गुलशन ग्रोवर की तस्वीर।

भारत घूमने आई थीं, खूबसूरती की बदौलत मिल गई फिल्म

16 जुलाई 1983 में कटरीना कैफ का जन्म हॉन्गकॉन्ग में हुआ। वो एक भाई और 6 बहनों में मंझली थीं। मां सुजैन विदेशी थीं और पिता कश्मीरी। कटरीना कम उम्र की थीं, जब पिता ने मां और 7 बच्चों को छोड़ दिया।

2 घंटे गुलशन ग्रोवर के साथ किसिंग सीन प्रैक्टिस किया

फिल्म में कटरीना को एक ऐसी मॉडल का किरदार मिला, जो डायमंड स्मगलिंग में फंसती हैं। फिल्म के एक सीन के लिए कटरीना कैफ को गुलशन ग्रोवर के साथ बोल्ड किसिंग सीन देना था, वो भी अमिताभ बच्चन की मौजूदगी में। डायरेक्टर कैजाद ने गुलशन को सुझाव दिया कि उन्हें फाइनल शॉट से पहले प्रैक्टिस कर लेनी चाहिए। कटरीना नई थीं, ऐसे में गुलशन ने सबके सामने शर्मिंदगी से बचने के लिए कटरीना के साथ 2 घंटे तक एक बंद कमरे में किसिंग सीन प्रैक्टिस किया। फिल्म 19 सितंबर 2003 में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस में बुरी तरह फ्लॉप हो गई। जैकी श्रॉफ के लगाए हुए सारे पैसे डूब गए। कर्जदारों की रकम चुकाने के लिए जैकी श्रॉफ ने पहले फर्नीचर, कार बेची और आखिर में उनका घर भी बिक गया। फिल्म फ्लॉप रही और कटरीना के ब्रिटिश एक्सेंट की भी जमकर आलोचना हुई, इसके बावजूद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे।

'मैं वापस आऊंगा' की सक्सेस पार्टी, बॉबी देओल लड़खड़ाए

अनन्या पांडे-दिया मिर्जा समेत कई सेलेब्स पहुंचे

नई दिल्ली। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कल रात मुंबई में सक्सेस पार्टी रखी गई। फिल्म की सफलता का जश्न मनाने के लिए पार्टी में बॉबी देओल, अनन्या पांडे और दिया मिर्जा समेत बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स पहुंचे।इस दौरान पार्टी में एंट्री करते समय बॉबी देओल लड़खड़ा गए और गिरते गिरते बचे।

पहले बॉबी देओल फोटोग्राफर्स को अपने खास अंदाज में थम्स-अप करते दिखे, लेकिन बाद में वे सीढ़ियां चढ़ते समय लड़खड़ा गए। वहीं अनन्या पांडे इस पार्टी में सफेद रंग की ड्रेस में काफी साधारण और खूबसूरत लुक में नजर आईं।

वहीं इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म फिल्म ने रिलीज के 33 दिनों में 62.61 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया है। इस तरह यह इम्तियाज अली के करियर की

तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

इससे पहले बॉबी देओल अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की शादी में भी लड़खड़ाए थे। दरअसल रिसेप्शन में मेहमानों के लिए एक फोटोबूथ तैयार किया गया था। तस्वीरें क्लिक करवाने आते हु बॉबी देओल ऊंचाई समझ नहीं पाए और लड़खड़ा गए। इसके बाद वो बैलेंस संभालकर मुस्कुराते दिखे हैं।

फिल्म के डायरेक्टर इम्तियाज अली ने हाथ जोड़कर मीडिया का अभिवादन किया।

> "अमीन हाजी बताया की वे आमिर खान को पिछले 35 साल से जानते हैं। अमीन ने कहा की आमिर हमेशा से शादी के रिश्ते को गरिमा देते आए हैं। कई लोग एक रिश्ता टूटने के बाद निराश हो जाते हैं, लेकिन आमिर ऐसे नहीं हैं।
> लोग अक्सर उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर बातें करते हैं, लेकिन यह नहीं देखते कि वे कितने ईमानदार रहे हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के बाद भी उन्होंने हमेशा अपने पिछले परिवार और बच्चों का पूरा ख्याल रखा है। बहुत कम लोग इस बात को स्वीकार करते हैं।

दिल टूटने पर रोए थे आमिर खान

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान ने 5 जुलाई को गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी की है। इस शादी के बाद से उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। अब आमिर के करीबी दोस्त अमीन हाजी उनके बचाव में आए हैं। अमीन हाजी ने रेडिफ को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि आमिर शादी का बहुत सम्मान करते हैं और उन्होंने हमेशा अपने पुराने परिवार और बच्चों की पूरी जिम्मेदारी उठाई है। अमीन ने कहा की उन्होंने दिल टूटने पर आमिर को रोते हुए देखा

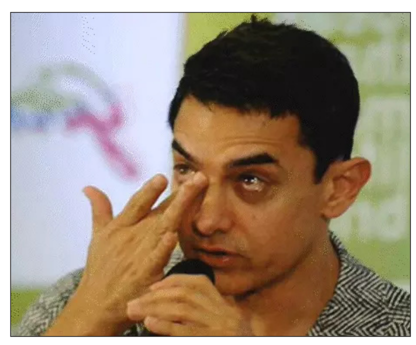

है। आमिर की निजी जिंदगी का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि आमिर कितने ईमानदार और भावुक इंसान हैं। आमिर खान ने लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहे जाने पर खुद भी सफाई दी है। वेबसाइट रेडिफ के साथ बातचीत में आमिर ने कहा- मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं।

दिल टूटने पर आमिर को रोते हुए देखा है

आमिर को एक बेहद भावुक इंसान बताते हुए अमीन ने कहा कि उन्होंने आमिर को दिल टूटने के बाद बिखरते हुए देखा है। वे कहते हैं कि लोग कई साल बाद दोबारा प्यार मिलने पर मजाक बनाते हैं, लेकिन 15 साल का समय बहुत लंबा होता है। मैंने उन्हें रोते हुए देखा है। बाहर से रिश्ते जितने आसान लगते हैं, उतने होते नहीं हैं। जब कोई शादी टूटती है, तो उसके लिए किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं है।

जवाब में तेहरान का बहरीन-कुवैत में मिसाइल हमला, जॉर्डन ने 8 मिसाइलें गिराईं

अमेरिका ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की

दावा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान में सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट, रक्षा ठिकाने और सिस्तान-बलूचिस्तान में 388वीं ब्रिगेड की बैरक को निशाना बनाया गया।

जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। बहरीन और कुवैत में मिसाइल अलर्ट जारी किया गया। दूसरी तरफ जॉर्डन ने 8 ईरानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी।

इस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो ईरान बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार है। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो मिडिल-ईस्ट से तेल और गैस का निर्यात भी रोका जा सकता है। भारत सरकार ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती फिलहाल रोकने के निर्देश दिए हैं। भारत के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग (DGS) ने शिपिंग कंपनियों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और क्रू भर्ती एजेंसियों को इसके लिए आदेश दिए हैं। DGS ने कहा कि फारस की खाड़ी में बिगड़ते सुरक्षा हालात को देखते हुए भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इस सप्ताह ईरानी हमलों में दो भारतीय नाविकों की मौत हो चुकी है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ (दाएं) ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान का स्वागत करते हुए।

अमेरिकी हमलों के बीच दक्षिणी ईरान में 12वीं की परीक्षाएं टलीं

दक्षिणी ईरान में जारी अमेरिकी हमलों और बढ़ते तनाव के बीच होर्मोजगान, बुशेहर, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों में 12वीं के छात्रों की अंतिम परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। ईरान के शिक्षा मंत्रालय ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए यह फैसला लिया। मंत्रालय ने कहा कि इन चार प्रांतों को छोड़कर देश के बाकी हिस्सों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं जारी रहेंगी।

> अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य तनाव के बीच पाकिस्तान ने कहा है कि वह दोनों देशों के बीच बातचीत दोबारा शुरू कराने की कोशिश जारी रखेगा।
>
> पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि सभी पक्षों को हिंसा रोककर पिछले महीने हुए समझौता ज्ञापन के तहत तकनीकी स्तर की वार्ता फिर शुरू करनी चाहिए।

ईरान ने बदले सुर

मिडिल ईस्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की चेतावनी के कुछ घंटे बाद ईरान ने अपने रुख को स्पष्ट किया है। ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमिनिया ने कहा कि तेहरान का अपने पड़ोसी देशों या क्षेत्र के इस्लामी देशों से टकराव का कोई इरादा नहीं है। अकरमिनिया ने आधिकारिक बयान में कहा कि ईरान हमेशा से क्षेत्रीय देशों के साथ सहयोग बढ़ाने और भाईचारे के संबंध मजबूत करने की नीति पर चलता रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना की पहली जिम्मेदारी देश की सुरक्षा, राष्ट्रीय हितों और सम्मान की रक्षा करना है और इसे पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

डीजल-एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ी, पेट्रोल पर कम हुई

देश में फ्यूल की कमी रोकने के लिए लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने डीजल और विमान ईंधन यानी ATF के एक्सपोर्ट पर लगने वाली ड्यूटी में बढ़ोतरी की है। वहीं दूसरी तरफ पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर लगने वाले टैक्स को कम कर दिया है। डीजल के एक्सपोर्ट पर ड्यूटी 8.50 से बढ़ाकर 15.50 प्रति लीटर कर दी है। यानी इसमें प्रति लीटर 7 रुपए का इजाफा किया गया है।

इसी तरह ATF यानी हवाई जहाज के ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 7.50 से बढ़ाकर 14.50 प्रति लीटर कर दी गई है। हालांकि, पेट्रोल एक्सपोर्टर्स को थोड़ी राहत देते हुए इस पर लगने वाली ड्यूटी को 4 से घटाकर 2.50 प्रति लीटर की है। ईंधन की ये नई दरें 16 जुलाई से देश भर में लागू हो गई हैं।

सरकार का कहना है कि कच्चे तेल के संकट को देखते हुए देश के भीतर पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कोई कमी न हो, इसलिए यह फैसला लिया गया है ताकि कंपनियां घरेलू बाजार की जगह बाहर तेल बेचने को तरजीह न दें। सरकार की ओर से हर 15 दिन में ड्यूटी यानी टैक्स की समीक्षा करती है।

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि 27 मार्च को सरकार ने स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (SAED) और रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस (RIC) के रूप में यह एक्सपोर्ट लेवी शुरू की थी। इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना था।

फास्ट न्यूज

नेपाल की राजनीति में भारी भूचाल

काठमांडू। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री टोप बहादुर रायमाझी को कोर्ट ने चार साल की जेल की सजा सुनाई है। वह भूटानी शरणार्थियों को नेपाली नागरिक बताकर अमेरिका भेजने की धोखाधड़ी वाली योजना में दोषी पाए गए। पूर्व गृह मंत्री बाल कृष्ण खंड को भी दो साल की सजा सुनाई गई। काठमांडू ज़िला अदालत के जज तेज बहादुर खड़का की एकल पीठ ने दोषी ठहराए गए 16 लोगों की सजा तय करते हुए रायमाझी पर 40,000 नेपाली रुपये और खंड पर 20,000 नेपाली रुपये का जुर्माना लगाया।

आंदोलन खत्म करने के लिए पाक का 'नापाक दांव'

इस्लामाबाद। गुलाम जम्मू-कश्मीर में हक की आवाज बुलंद कर रहे लोगों को खामोश करने के लिए पाकिस्तानी हुक्मरान और सेना किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक, सुलगते गुलाम जम्मू-कश्मीर में जारी प्रदर्शनों को हमेशा के लिए दमन की आग में झोंकने के लिए पाकिस्तानी प्रशासन 'ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) के शीर्ष नेतृत्व का खात्मा करने की भयानक साजिश रच रहा है। बढ़ती महंगाई, राजनीतिक भेदभाव और प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ महीनों से मोर्चा संभाले जेएएसी के हौसले पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर की धमकियों के आगे भी डिगे नहीं हैं।

सोना 189 गिरकर 1.42 लाख पर आया

नई दिल्ली । सोने के दाम में आज यानी 16 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 189 रुपए गिरकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 680 रुपए बढ़कर 2.20 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है।

होर्मुज में ईरान की घेराबंदी तेज

अमेरिका ने ऑयल टैंकर को हेलफायर मिसाइलें दागकर रोका

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने गुरुवार तड़के (स्थानीय समय के अनुसार बुधवार को) ईरान के एक बंदरगाह तक पहुंचने की कोशिश कर रहे एक ऑयल टैंकर को रोक दिया। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान के खिलाफ बढ़ते तनाव के बीच जब से वॉशिंगटन ने ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी फिर से लागू की है तब से निशाना बनाया गया यह पहला कमर्शियल जहाज है।

यूएस सेंट्रल कमांड (Centcom) ने कहा कि कुराकाओ (Curacao) के झंडे वाला ऑयल टैंकर M/T बेल्मा, ने बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया और अरब की खाड़ी में ईरान के मुख्य तेल निर्यात टर्मिनल, खार्ग द्वीप की ओर बढ़ता रहा। सेंटकॉम ने एक्स पर एक बयान में कहा, ₹यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने कुराकाओ के झंडे वाले M/T बेल्मा को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से खार्ग द्वीप की ओर जाते हुए देखा। इस कमर्शियल जहाज ने यूएस की नाकेबंदी का उल्लंघन करने की कोशिश करते हुए कई चेतावनियों को नजरअंदाज किया। यूएस के एक विमान ने जहाज के स्मोकस्टैक (धुआं निकलने वाली चिमनी) पर हेलफायर मिसाइलें दागकर जहाज को रोक दिया। अब यह जहाज ईरान की ओर नहीं जा रहा है। यह नाकेबंदी 14 जुलाई को शाम 4 बजे ET (Eastern Time) पर फिर से शुरू हुई थी, जिसके तहत यूएस सेनाए जहाजों को ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों में आने-जाने से रोक रही हैं। सेंटकॉम ने कहा कि बेल्मा के खिलाफ यह कार्रवाई नाकेबंदी फिर से लागू होने के बाद पहले 24 घंटों के दौरान की गई। अमेरिकी सेना के अनुसार, दो अन्य कमर्शियल जहाजों ने निर्देशों का पालन किया और अपना रास्ता बदल लिया, जबकि बेल्मा ने रास्ता बदलने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसे रोक दिया गया।

कमांड ने कहा, नाकेबंदी लागू होने के पहले 24 घंटों के दौरान सेंटकॉम ने निर्देशों का पालन करने वाले दो कमर्शियल जहाजों का रास्ता बदला और निर्देशों का पालन न करने वाले एक जहाज को रोक दिया। अमेरिकी सेना पूरी तरह से नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सतर्क और तैयार है।

एक हजार से ज्यादा जहाज फंसे जहाजों को कर्णफुली नदी में रोक दिया गया

भारी बारिश और समुद्री तूफान का कहर, बांग्लादेश का चटगांव पोर्ट ठप

> इन जहाजों को सुरक्षा कारणों के चलते नदी में रोका गया है। वहीं 55 से ज्यादा बड़े जहाज बीच समुद्र में फंसे हुए हैं। जहाजों के फंसने और बंदरगाह बंद होने के कारण बांग्लादेश को बड़ा आर्थिक नुकसान हो रहा है। बांग्लादेश को हर दिन करीब 11 से 14 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

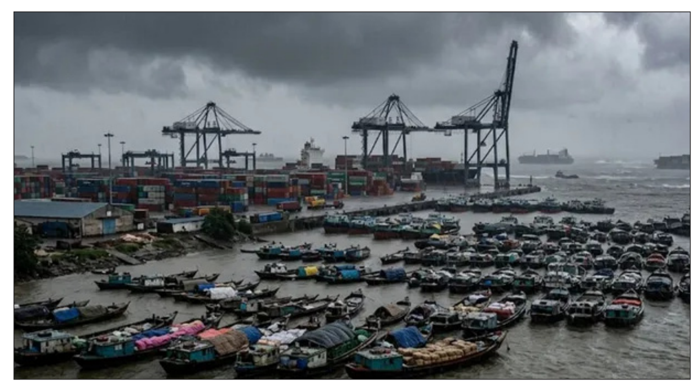

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में भारी बारिश और समुद्री तूफान का कहर देखने को मिल रहा है। बारिश और तूफान के चलते बांग्लादेश का सबसे बड़ा चटगांव बंदरगाह ठप हो गया है। इस बंदरगाह के ठप होने की वजह से माल की लोडिंग-अनलोडिंग पूरी तरह से बंद हो गई है, जिससे पूरे देश में आवश्यक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। इसी बीच समुद्र में उठ रही तेज लहरों और चेतावनी के बीच लगभग 1,000 से ज्यादा छोटे मालवाहक फंस गए हैं। जहाजों को कर्णफुली नदी में रोक दिया गया है। चटगांव बंदरगाह पर रोजाना करीब 11,000 कंटेनर भेजे जाते हैं, जिनकी संख्या अब आधी रह गई है।

भारत पर भी असर

इन जहाजों के फंसने से भारत पर भी असर पड़ा है। भारत से भेजा गया माल बीच रास्ते में ही अटक गया है। सैंकड़ों भारतीय कंटेनर भी फंस हुए हैं। इस वजह से नए ऑर्डर्स पर ब्रेक लग गया है। बता दें कि भारत से बड़ी मात्रा में गारमेंट के लिए कपास, धागे के साथ ही केमिकल, खाद्य पदार्थ और कृषि उत्पाद बांग्लादेश भेजे जाते हैं।

ट्रक से भिड़ंत, कर्मचारियों ने पैदल भागकर जान बचाई, घटना का वीडियो वायरल

कनाडा में जंगल की आग के बीच फंसी ट्रेन

ओंटारियो, एजेंसी

कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भीषण जंगल की आग के बीच कैनेडियन नेशनल रेलवे के कर्मचारी मौत के बेहद करीब पहुंच गए। धुएं के कारण विजिबिलिटी लगभग खत्म हो गई थी। इसी दौरान एक ट्रक में आग लग गई और वह ट्रेन से टकरा गया। हालांकि, सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में ट्रेन के इंजन की खिड़कियों के बाहर चारों ओर जंगल में आग की ऊंची लपटें दिखाई देती हैं। आसमान नारंगी रंग का नजर आता है और कर्मचारी तत्काल निकासी की मांग करते सुनाई देते हैं। वीडियो में ट्रेन के दोनों ओर जंगल धधकते दिखाई दे रहे हैं, जबकि ट्रेन के कर्मचारी वायरलेस पर मदद मांगते सुनाई देते हैं। वीडियो में एक कर्मचारी कहता है, आग कभी भी हमें अपनी चपेट में ले सकती है। अब हालात डराने वाले हो गए हैं। यह घटना ओंटारियो के आर्मस्ट्रॉन्ग इलाके के पास हुई, जहां ट्रेन जलते हुए पेड़ों के बीच से गुजर रही थी।

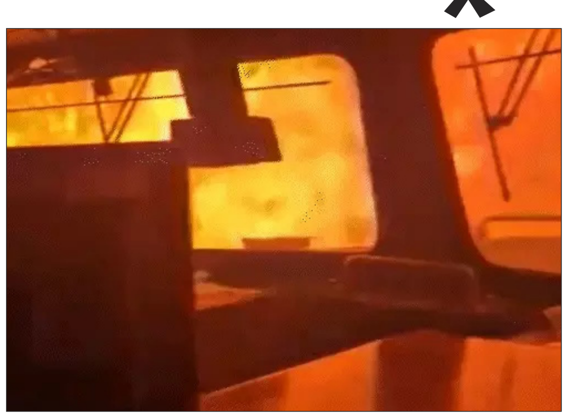

कनाडा के ओंटारियो प्रांत में जंगलों की भीषण आग के बीच एक मालगाड़ी चारों तरफ से आग की लपटों में घिर गई।

यह तस्वीर 15 जुलाई को कनाडा के उत्तरी ओंटारियो में लगी भीषण जंगल की आग की है। आग इतनी तेजी से फैली कि नमायगू-सिगागुन फर्स्ट नेशन समुदाय के लोगों को अपनी जान बचाने के लिए नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

> सीएन रेलवे के अनुसार, घने धुएं के बीच एक ट्रक आग की चपेट में आ गया और ट्रेन से टकरा गया। इसके बाद सभी कर्मचारी पैदल ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हालांकि, किसी भी कर्मचारी को चोट नहीं आई।

कनाडा में 838 जगहों पर आग लगी

घटना के बाद CN रेलवे ने एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाके में सभी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। कंपनी ने आर्मस्ट्रॉन्ग कस्बे के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। यह इलाका उत्तर-पश्चिमी ओंटारियो में जंगल की आग से प्रभावित है। कनाडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर के अनुसार, इस समय पूरे कनाडा में 838 जगहों पर जंगलों में आग लगी हुई है। वहीं अमेरिका की सीमा से लगे मिनेसोटा राज्य में भी एक दर्जन से ज्यादा जंगलों में आग जल रही है। इसकी वजह भीषण गर्मी, सूखा और तेज हवाएं बताई गई हैं। प्रदेश में करीब 150 जगहों पर जंगल की आग जल रही हैं। कई समुदायों में अनिवार्य निकासी के आदेश जारी किए गए हैं।

इंस्टाग्राम पर फर्जी कॉपीराइट स्ट्राइक का खेल

एडिट फीचर से बैकडेट की जा रहीं पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

इंस्टाग्राम पर ओरिजिनल कंटेंट बनाने वाले क्रिएटर्स को निशाना बनाने के लिए मेटा के कॉपीराइट सिस्टम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। अज्ञात लोग फेसबुक के एडिट फीचर का इस्तेमाल कर पोस्ट की तारीख बैकडेट में कर देते हैं और फिर असली क्रिएटर्स के कंटेंट पर फर्जी कॉपीराइट स्ट्राइक भेज रहे हैं। इस खेल के खिलाफ दो बड़े डिजिटल क्रिएटर्स पुष्कर राज ठाकुर और नीरज जोशी ने दिल्ली हाई कोर्ट में कॉमर्शियल सूट फाइल किया है।

फाइनेंशियल एजुकेटर पुष्कर राज ठाकुर और डिजिटल क्रिएटर नीरज जोशी ने अलग-अलग दायर याचिकाओं में गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कुछ अज्ञात लोग ओरिजिनल क्रिएटर्स को परेशान करने और उनके अकाउंट बंद कराने की धमकी देने के लिए फर्जी कॉपीराइट स्ट्राइक को हथियार बना रहे हैं। इस सिस्टम के चलते उनके ओरिजिनल कंटेंट को डिलीट करने या उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को सस्पेंड/डिलीट करने का खतरा पैदा हो गया है। क्रिएटर्स का तर्क है कि मेटा का ऑटोमेटेड कॉपीराइट सिस्टम बिना किसी गहन जांच के काम कर रहा है। यह सिस्टम वीडियो के असली क्रिएटर, मेटाडेटा, एडिट हिस्ट्री या वास्तविक पब्लिशिंग क्रोनोलॉजी (अपलोड करने का सही समय) की जांच किए बिना ही स्ट्राइक की शिकायतों पर एक्शन ले लेता है।

नियुक्ति : पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन समेत तीन दिग्गजों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व में भारतीयों का दबदबा

- रघुराम राजन, राज चेट्टी, आशा शर्मा फेडरल रिजर्व टास्क फोर्स में
- उच्च मुद्रास्फीति से निपटने और आर्थिक सुधार हेतु नियुक्ति
- मौद्रिक नीति और संस्थागत प्रदर्शन में सुधार का लक्ष्य

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में पिछले कई सालों से जारी उच्च मुद्रास्फीति (महंगाई) से निपटने और अपनी आर्थिक नीतियों को नए सिरे से सुधारने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने तीन भारतीयों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श ने सेंट्रल बैंक की पांच नई टास्क फोर्स में आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, दिल्ली में जन्मे भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री राज चेट्टी और भारतीय मूल की माइक्रोसॉफ्ट की सीनियर एग्जीक्यूटिव आशा शर्मा को शामिल किया है। फेडरल रिजर्व के नए अध्यक्ष केविन वॉर्श ने जो पांच स्पेशल टास्क फोर्स (कमेटियां) बनाई है, उनमें दुनिया के कई दिग्गज शामिल हैं, जैसे बैंक ऑफ इंग्लैंड के पूर्व गवर्नर मर्विन किंग, वॉलमार्ट के पूर्व सीईओ डग मैकमिलन और नोबेल पुरस्कार विजेता थॉमस सार्जेंट।

इस फैसले पर फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वॉर्श ने कहा, मुझे गर्व है कि दुनिया के सबसे बेहतरीन एक्सपर्ट्स हमारी संस्था के प्रदर्शन को सुधारने के लिए साथ काम करने को तैयार हुए हैं. हमारा लक्ष्य साफ है कि फेडरल रिजर्व इस मुश्किल समय में अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सबसे मजबूत स्थिति में रहे।

रघुराम राजन क्या करेंगे?

फेड चेयरमैन ने राजन की भूमिका के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन कहा कि इस टास्क फोर्स का उद्देश्य केंद्रीय बैंक के लक्ष्य से ऊपर चल रही मुद्रास्फीति के पांच साल से अधिक समय के बाद फेडरल रिजर्व में नई सोच का संचार करना है।

पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, रघुराम राजन फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट व्यवस्था के लाभ और संस्थागत प्रभावों की जांच करने वाले पैनल का हिस्सा होंगे

> राज चेट्टी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय-अमेरिकी लोक अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। वह शिकागो विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री केविन मर्फी के साथ मिलकर डेटा टास्क फोर्स का सह-नेतृत्व करेंगे। यह समूह फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करने वाले वास्तविक आर्थिक संकेतों की गुणवत्ता और समयबद्धता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

प्रॉपर्टी टैक्स से बचने के लिए अमीर इंजीनियर ने बनाया 'घूमता-फिरता घर'

20 साल तक समुद्र पर रहकर बचाए करोड़ों

वाशिंगटन, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर लोग आजकल कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क जैसे ज्यादा टैक्स वाले राज्यों को छोड़कर फ्लोरडा और टेक्सास में बस रहे हैं। लेकिन दशकों पहले ही माइक्रोसॉफ्ट के लिए इंजीनियर ने टैक्स और कड़े नियमों से बचने का बिल्कुल अलग रास्ता खोज निकाला था। उन्होंने घर खरीदने के बजाय समुद्र पर तैरता हुआ घर बना लिया।

ये इंजीनियर कोई और नहीं बल्कि चार्ल्स सिमोन्यी हैं। इन्हें माइक्रोसॉफ्ट वर्ड और एक्सेल के चीफ आर्किटेक्ट के तौर पर जाना जाता है। फोर्ब्स के मुताबिक, सिमोन्यी की कुल संपत्ति करीब 7.2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 60 हजार करोड़ रुपये है।

1990 के दशक में जब सिमोन्यी दुनिया भर में लग्जरी अपार्टमेंट देख रहे थे, तो उन्हें कई दिक्कतें आईं। मॉन्ट्रियल, मोंटे कार्लो और कोपेनहेगन में घर खरीदने पर भारी प्रॉपर्टी टैक्स, सख्त बिल्डिंग नियम और रखरखाव का खर्च आता था।

इसका हल उन्होंने एक तैरते हुए घर में निकाला। उन्होंने जर्मन शिपयार्ड 'लुरसेन' से 'स्काट' नाम की 233 फीट यानी 71 मीटर लंबी सुपरयॉट बनवाई। इसे प्रोजेक्ट 9906 नाम से 2002 में उन्हें सौंप दिया गया। इसके बाद लगभग 20 साल तक सिमोन्यी हर साल 6 महीने इसी यॉट पर रहे और यहीं से काम भी किया। यॉट को घर और ऑफिस दोनों की तरह इस्तेमाल किया गया। इसका सबसे फायदा ये था कि यॉट को कहीं भी ले जाया जा सकता था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676